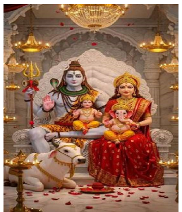

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 344 सोमवार 14 जुलाई 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

सड़क हादसे में युवक की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती जिले में लालगंज थाना क्षेत्र के कुदरहा–लालगंज मार्ग पर एक सड़क हादसे में 20 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान अंबेडकरनगर जिले के बेवाना थाना क्षेत्र के हसनपुर जलालपुर गांव निवासी अली अहमद के रूप में हुई है। रविवार को अली अहमद मोटरसाइकिल से रौतापार गांव में एक शादी समारोह में जा रहा था। मरवटिया मोड़ के पास सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रेलर ने उसकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में अली अहमद की मौके पर ही मौत हो गई। मोटरसाइकिल पर पीछे बैठा उसका साथी मोहम्मद कोहिनूर बाल–बाल बच गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रेलर अनियंत्रित होकर सामने से आ रही बाइक से टकरा गया। सूचना मिलते ही लालगंज पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एसओ लालगंज शशांक शेखर राय ने बताया कि ट्रेलर और चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले में कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

बनने लगी बड़े वन की जर्जर सड़क

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। एमएलसी एवं भाजपा के प्रदेश महामंत्री सुभाष यदुवंश ने एनएच–27 और एनएच–28 का एनएचएआई के अधिकारियों के साथ निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। सुभाष यदुवंश ने बताया कि एनएचएआई के अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया गया। उनको निर्देशित किया गया है कि जल्द से जल्द कार्य को पूरा करा लिया जाए। सीसी सड़क का निर्माण हो जाने से जलभराव की समस्या समाप्त हो जाएगी। बस्ती से सिद्धार्थनगर जाने वालों के साथ–साथ बड़ेबन, मड़वानगर, मूड़घाट, डमरूवा, कटरा आदि के निवासियों को राहत मिलेगी। इस दौरान रामशंकर यादव, संतोष यादव, विनय यादव, रमेश चौधरी, सर्वेश यादव आदि मौजूद रहे।

उपज का शपथ ग्रहण 27 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट (उपज) की जनपद बस्ती इकाई की कार्यकारिणी बैठक रविवार को प्रेस क्लब सभागार में हुई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष रमेश चन्द्र मिश्र ने की। मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुये वरिष्ठ पत्रकार एवं उपज के प्रदेश सचिव जयंत कुमार मिश्र ने कहा प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर जनपद इकाई का गठन हो चुका है।

बैठक में सर्वसम्मति से 27 जुलाई को पदाधिकारियों को शपथ दिलाने का कार्यक्रम तय हुआ है। इसमें पुलिस कप्तान को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित करने की सहमति बनी है। प्रेस क्लब सभागार में प्रस्तावित कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार, उपज की जनपद इकाई के पदाधिकारी व सदस्य तथा अन्य विशिष्ट जन मौजूद रहेंगे। जिलाध्यक्ष रमेश चन्द्र मिश्र ने कहा शपथ ग्रहण के उपरान्त पत्रकार हितों के लिये चरणबद्ध संघर्ष किया जायेगा। शासन की योजनाओं का पत्रकारों को लाभ दिलाने, पत्रकारों को निःशुल्क चिकित्सा सुविधा, वरिष्ठ पत्रकारों के लिये पेंशन, आवास की मागें प्रमुखता से शासन तक पहुचेंगी और प्रयासों को नतीजों तक पहुंचाया जायेगा। बैठक में संजय विश्वकर्मा, धनंजय श्रीवास्तव, अशोक श्रीवास्तव, देवेन्द्र पाण्डेय, नवनिधि पाण्डेय, मनोज कुमार यादव आदि ने भी अपने विचार रखे। अनिल कुमार श्रीवास्तव, जेपी उपाध्याय, लवकुश सिंह, अनिल कुमार भेलखा, संदीप यादव, आशुतोष नारायण मिश्र, राधेकृष्ण द्विवेदी, सुनील कुमार सोनी आदि मौजूद रहे।

सहारा सम्पत्तियों को चोरी से बेचने वाले 2 गिरफ्तार

नई दिल्ली (आभा)। ईडी ने रविवार को कहा कि उसने सहारा समूह और उससे जुड़ी इकाइयों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के तहत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें सहारा समूह के चेयरमैन की मुख्य प्रबंधन टीम के एक कार्यकारी निदेशक और समूह के एक लंबे समय से सहयोगी सह संपत्ति ब्रोकर शामिल हैं। आरोपियों की पहचान वैलापरम्पिल अब्राहम और जितेंद्र प्रसाद वर्मा के रूप में हुई है।

केंद्रीय एजेंसी ने बयान में कहा कि अब्राहम ने सहारा समूह की संपत्तियों की बिक्री के समन्वय और उसे सुगम बनाने में 'महत्वपूर्ण भूमिका' निभाई, जिनमें से कई में 'बेहिसाब' नकदी शामिल थी, जिसका कथित तौर पर गबन कर लिया गया था। जांच एजेंसी ने बताया कि वर्मा इनमें से कई संपत्ति लेनदेन को अंजाम देने में 'सक्रिय रूप से शामिल' था और उसने जानबूझकर इन बिक्री लेनदेन से प्राप्त बड़ी 'नकदी' आय को ठिकाने लगाने में मदद की, जिससे 'अपराध की कमाई' को छिपाने और नष्ट करने में मदद मिली।

ईडी ने कहा कि हाल ही में इस मामले में की गई तलाशी के दौरान उसे 'अपराध सिद्ध करने वाले' सबूत मिले हैं, जिनसे पता चलता है कि सहारा समूह की संपत्तियों को एक–एक करके 'गुप्त' तरीके से बेचा जा रहा था। ईडी ने आरोप लगाया कि अब्राहम और वर्मा ने ऐसी संपत्तियों को बेचने और सहारा समूह के प्रवर्तकों को धन की हेराफेरी में मदद करने में 'मुख्य भूमिका' निभाई।एजेंसी ने दावा किया कि प्रवर्तक भारत से बाहर रहते हुए इस तरह के कदाचार में संलिप्त पाए गए। ईडी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए दोनों व्यक्तियों को शनिवार को कोलकाता की एक स्थानीय अदालत में पेश किया गया और अदालत ने उन्हें 14 जुलाई तक ईडी की हिरासत में भेज दिया। मनी लॉन्ड्रिंग का यह मामला विभिन्न राज्य पुलिस विभागों द्वारा दर्ज 500 से अधिक मुकदमों से निकला है।

डा. वी.के. वर्मा बने स्काउट गाइड के आजीवन सदस्य

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। आयुष चिकित्साधिकारी एवं समाजसेवी डा. वीके वर्मा भारत स्काउट और गाइड उत्तर प्रदेश के आजीवन सदस्य बने, बताते चलें कि जिला सचिव भारत स्काउट और गाइड उत्तर प्रदेश जिला संस्था बस्ती कुलदीप सिंह की प्रेरणा से डा. वीके वर्मा ने भारत स्काउट और गाइड उत्तर प्रदेश की आजीवन सदस्यता ग्रहण की है।

डा. वर्मा ने कहा कि स्काउट गाइड संस्था समाज सेवा और देश हित के लिए सदैव प्रयासरत रहती है इस संस्था से जुड़कर मुझे कुछ और बेहतर करने का अवसर प्राप्त होगा। सहायक प्रादेशिक संगठन आयुक्त बस्ती मण्डल संदीप कुमार ने कहा कि जिला सचिव कुलदीप सिंह द्वारा जनपद बस्ती ही नही मण्डल बस्ती में सर्वाधिक लोगों को भारत स्काउट और गाइड उत्तर प्रदेश से आजीवन सदस्य के रूप में जोड़ने का कार्य सराहनीय है। डा. वी. के. वर्मा के आजीवन सदस्य बनने पर एडल्ट रिसोर्स आयुक्त स्काउट डॉ हरेन्द्र

प्रताप सिंह, एडल्ट रिसोर्स गाइड डॉ सुरभि सिंह, स्काउट कमिश्नर हरिराम बंसल, गाइड कमिश्नर संधिला चौधरी, कोषाध्यक्ष विद्याधर वर्मा, जिला सचिव डॉ कुलदीप सिंह, जिला प्रशिक्षण आयुक्त गाइड सत्या पाण्डेय, जिला प्रशिक्षण आयुक्त स्काउट स्काउट भूपेश कुमार सिंह, जिला संगठन आयुक्त स्काउट प्रताप शंकर पांडेय, जिला संगठन आयुक्त गाइड संगीता प्रजापति, आजीवन सदस्य आशीष श्रीवास्तव, राकेश पाण्डेय, जेपी श्रीवास्तव, ट्रेंनिग काउन्सलर आदर्श मिश्रा, विजय कश्यप, प्रमोद कुमार, नन्दिनी, मुस्कान, खुशबू, आदि ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

दूर होगा खाद का संकट: 70 सहकारी समितियों पर पहुंची यूरिया

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । यूरिया खाद की किल्लत दूर करने के लिए जिले की 70 साधन सहकारी समितियों पर यूरिया खाद पहुंच गई है। दो दिनों में 21 सौ एमटी यूरिया खाद पहुंची। जिसका वितरण शुरू हो गया है। यह जानकारी एआर कोआपरेटिव आशीष श्रीवास्तव ने दिया। एआर कोआपरेटिव ने बताया कि पैड़ा गोदाम से सात सौ एमटी यूरिया खाद 30 समितियों पर भेजी गई, जबकि यूरिया रेलवे स्टेशन पर लगी रैक से 14 सौ एमटी यूरिया खाद 40 सहकारी समितियों पर भेजया गया है। रविवार और सोमवार को जिले के 70 सहकारी समितियों से यूरिया खाद का वितरण होगा, जो किसानों के लिए राहत का काम करेगा।

एआर ने बताया कि जहां पर यूरिया की मांग है, वहां पर खाद को समय से उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि संतकबीरनगर स्टेशन पर डीएपी की रैक लगी है। जहां से जिले को तीन सौ एमटी फास्फेटिक खाद मिली है। इसमें 180 एमटी डीएपी और 120 एमटी एनपीएस खाद है। यहां से खाद को जहां पर डिमांड की गई थी, वहां पर सीधे वाहनों से भेज दिया गया।

चिकित्सा शिविर में मरीजों का उपचार, 27 ने किया रक्तदान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार को किशोरी फाउंडेशन द्वारा माँ गायत्री इंटर कॉलेज, कप्तानगंज में अपोलो हॉस्पिटल, लखनऊ के सहयोग से निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में सैकड़ों की संख्या में स्थानीय नागरिकों ने स्वास्थ्य जांच करवाई। कार्यक्रम में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में कुल 27 लोगों ने रक्तदान किया। संस्था के अध्यक्ष देवांशु गुप्ता ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा की "रक्तदान ही महादान है।

कार्यक्रम में डॉ. अरविंद के साथ–साथ सामाजिक कार्यकर्ताओं में हर्ष कसौधन गोपाल , अर्पित, उत्कर्ष, शशांक, अमित, सर्वेश, रतनेश, राकेश, ध्रुव, अजीत, श्याम, रजत, शुभम एवं अन्य स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

सावन के महीने में पूजा, योग, व्रत से दूर होते हैं रोग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। प्राचीन काल से ही सावन के महीने में शिव की आराधना, पूजा, व्रत, उपवास, यज्ञ और योग आदि प्रचलित है। इसका मुख्य कारण है कि हमारे पूर्वज ऋषि मुनि पूर्ण वैज्ञानिक विचारधारा का अनुपालन करते थे। सावन के महीने में विभिन्न प्रकार के रोगों की उत्पत्ति होती है जिसके शमन के लिए उन्होंने शिव आराधना, पूजा, यज्ञ, योग, व्रत और उपवास आदि से जुड़े रहने का पावन संदेश दिया जिसका अनुसरण करके आज तक लोग मन को शुद्ध बुद्ध बनाकर बीमारियों से बच रहे हैं। इसी कड़ी में आर्य समाज नई बाजार बस्ती में आयोजित साप्ताहिक सत्संग में यज्ञ कराते हुए योग शिक्षक गरुण ध्वज पाण्डेय ने कहा कि सावन के महीने में दैनिक अग्निहोत्र और योग करके बीमारियों से बचा जा सकता है। इस अवसर पर उन्होंने साधकों को यज्ञ और संध्योपासना का महत्व बताते हुए कहा कि संध्या हमारी जीवन पद्धति है। इसका अनुष्ठान कर हम सकारत्मक और लोककल्याणकारक जीवन जीते हुए मोक्ष तक पहुंच सकते हैं। इस अवसर नवल किशोर चौधरी कोषाध्यक्ष भारत स्वाभिमान ट्रस्ट यूनिट बस्ती द्वारा सामूहिक ईश्वर भजन कराया गया। श्रीमती नीलम मिश्रा ने चाणक्य नीति और नीतीश कुमार ने संगठन सूक्त का पाठ किया। इस अवसर उपस्थित लोगों ने व्रत उपवास आदि को समझते हुए उन्हें जीवन में अपनाने का व्रत लिया। ओम प्रकाश आर्य प्रधान आर्य समाज नई बाजार बस्ती ने बताया कि दिनांक 9अगस्त रक्षाबंधन से 16अगस्त जन्माष्टमी तक श्रावणी उपाकर्म एवं वेद प्रचार सप्ताह मनाया जाएगा जिसके अन्तर्गत आस पास के क्षेत्र में यज्ञ, भजन, प्रवचन और उपदेश के कार्यक्रम आयोजित होंगे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से शिव श्याम, महिमा आर्य, रिमझिम, राजेश्वरी, विश्वनाथ, गणेश, अरविंद साहू, शेखर, श्रेयांश, पुनीत राज, परी, दृष्टि मोदनवाल, शताक्षी मिश्रा, अश्कृता मिश्रा, रजनीश चौधरी, वंश मोदनवाल, धर्मेंद्र कुमार,साक्षी कुमारी, कृष्णा गौतम सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

अवैध बालू खनन से ग्रामीणों में रोष: मुख्यमंत्री से कार्रवाई की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

हर्रैया (बस्ती)। जनपद के छावनी थानाक्षेत्र के बीडी तटबंध से सटे बेतावा गांव में बालू का अवैध खनन किया जा रहा है। इस बालू को अयोध्या पंप नहर के कन्हईपुर स्थित सरकारी जमीन में डंप किया जा रहा है। इस बात की ग्रामीणों ने शिकायत मुख्यमंत्री से की है। आदेश चौबे की अगुवाई में आधा दर्जन ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में बताया चार दिनों से बंधे के पास बालू माफिया जेसीबी और डंपरों से बड़े पैमाने पर बालू का अवैध खनन कर रहे हैं। गांव में कोई बालू खनन का पट्टा नहीं हुआ है। पत्र में बताया बालू का अवैध खनन कर तीन किलोमीटर दूर सिंचाई विभाग के नहर हेड के पास डंप हो रहा है।

पत्र में कहा गया है कि बालू लदे वाहनों के आवागमन से गांव और बंधे की सड़क बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। ओवरलोड बालू वाहनों के आवागमन से स्थानीय लोगों को परेशानी हो रही है। पत्र में बताया बेतावा, खेमराजपुर, नौरंगवा, नरसिंहपुर की आबादी के पास अवैध खनन से बाढ़ में कटान का खतरा बढ़ गया है। पत्र में बताया बीते माह में चौधरी चरण सिंह अयोध्या पंप नहर के हेड से लेकर पांच किमी तक सील्ट की सफाई हुई थी। विभागीय अधिकारी से शिकायत के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। बेतावा गांव के कछार से बड़े पैमाने पर बालू निकाल कर उसे नहर के हेड के पास जमा किया जा रहा है। जहां डंप पहाड खड़ा कर दिया हैं। ग्रामीणों ने अवैध बालू खनन की शिकायत खनन निरीक्षक और एसडीएम हर्रैया से कर चुके हैं।

इस संबंध में खनन निरीक्षक आशीष कुमार ने बताया कि बेतावा में किसी प्रकार का बालू खनन पट्टा नहीं हुआ है। वहीं चौधरी चरण सिंह अयोध्या पंप नहर के सहायक अभियंता ने बताया कि नहर सफाई के उपरांत सील्ट का टेंडर हुआ है। संबंधित फर्म सिल्ट को हटाएगी। बालू खनन के संबंध में कोई जानकारी नहीं है।

कुशीनगर में सड़क हादसा: सिद्धार्थनगर के 4 लोगों की मौत, 2 घायल

कुशीनगर (आभा) । बिहार के देवघर से दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी लग्जरी कार पटहेरवा क्षेत्र के बगही कुटी के पास फोरलेन पर ट्रैक्टर–ट्रॉली से टकरा गई। इस हादसे में कार सवार चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों का जिला अस्पताल में चल रहा है। हादसे के सभी मृतक सिद्धार्थनगर के रहने वाले थे। घायल भी सिद्धार्थनगर के ही निवासी हैं।

कुशीनगर के पटहरेवा थाना क्षेत्र के बगहीकुटी के पास एक लग्जरी कार फोरलेन पर ट्रैक्टर–ट्रॉली से टकरा गई। कार चालक राजेश शर्मा ने बताया कि शनिवार की रात 10 बजे वे लोग घर के लिए झारखंड से निकले थे। वह लगातार गाड़ी चला रहा थे। सुबह अचानक ट्रैक्ट्रर ट्राली से कार की टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में कार में सवार चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में दो अन्य लोग घायल हो गये। घायलों को आनन–फानन में जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। सभी मृतक सिद्धार्थनगर के रहने वाले थे।

कार और ट्रैक्टर–ट्रॉली की इस टक्कर में मारे गए लोगों में मनोज सिंह जनपद सिद्धार्थनगर, सुजीत जायसवाल जनपद सिद्धार्थनगर, रामकरन गुप्ता जनपद सिद्धार्थनगर और कैलाश मणि त्रिपाठी जनपद सिद्धार्थनगर शामिल हैं।

वहीं घायलों में राजेश शर्मा पुत्र कृष्ण शर्मा निवासी पं. दीनदयाल नगर जनपद सिद्धार्थनगर (चालक) और सुशान्त शर्मा पुत्र धीरेन्द्र शर्मा निवासी पं. दीनदयाल नगर जनपद सिद्धार्थनगर शामिल हैं। मौके पर एसडीएम तमकुहीराज और सीओ तमकुहीराज राकेश प्रताप सिंह ने पहुंच कर घटना के बारे में जानकारी हासिल की है।

मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने डॉक्टरों से बातचीत कर घायलों को बेहतर इलाज मुहैया कराने की बात की है।

घटना की सूचना सिद्धार्थनगर जनपद में पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया। उनका रो–रो कर बुरा हाल है। वे तत्काल कुशीनगर के लिये रवाना हुये। अनेक संगठनों ने इस आकस्मिक दुर्घटना पर शोक व्यक्त किया है।

फार्मासिस्ट एसोसिएशन के ब्लाक पदाधिकारी घोषित: बैठक में मुद्दों पर चर्चा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । रविवार को अखिल भारतीय फार्मासिस्ट एसोसिएशन की बैठक जिलाध्यक्ष गिरजेश सेन की अध्यक्षता में हर्दिया चौराहा स्थित एक सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में फार्मासिस्टों की समस्याओं पर चर्चा के साथ ही सांगठनिक मजबूती के लिये ब्लाक स्तरीय कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसी कड़ी में फारूक अब्दुल्ला को आई.टी. सेल का जिलाध्यक्ष घोषित किया गया।

यह जानकारी देते हुये एसोसिएशन महासचिव वैभव श्रीवास्तव ने बताया कि सर्व सम्मत से बहादुरपुर ब्लाक से सूरज चौहान, बनकटी से अब्दुर रशीद, गौर– सन्तोष सोनकर, कुदरहा से रमेश निराला, परशुरामपुर से आत्माराम वर्मा, रामनगर से सुनील चौधरी, रूधौली से अश्विनी, सल्टौआ गोपालपुर से विशालमणि त्रिपाठी, साऊंघाट से अनूप चौरसिया, विक्रमजोत से रवि प्रकाश श्रीवास्तव, दुबौलिया से सत्येन्द्र सेन को ब्लाक स्तरीय अध्यक्ष घोषित किया गया। जिलाध्यक्ष गिरजेश सेन ने घोषित ब्लाक अध्यक्षों से कहा है कि वे 15 दिन के भीतर अपनी ब्लाक कार्यकारिणी घोषित कर जिला इकाई को अवगत करा दें।

एसोसिएशन के प्रदेश सचिव विजय पाण्डेय, मण्डल अध्यक्ष प्रमेन्द्र गौतम ने फार्मासिस्टों का आवाहन किया कि वे अपनी एकजुटता बनाये रखें। एसोसिएशन उनके हितों के लिये निरन्तर संघर्ष कर रहा है। फार्मासिस्टों की नियुक्ति को लेकर निरन्तर संवाद बनाया जा रहा है।

बैठक में मुख्य रूप से परमात्मा प्रसाद, सिद्धार्थ सिंह, श्याम मोहन चौधरी, धर्मनाथ, अजय चौधरी, विक्रम शर्मा, रामाशीष वर्मा, सतीश वर्मा, सुनील, राकेश, सन्तोष सोनकर, राजकुमार, लवकुश, प्रमोद दूबे के साथ ही अनेक फार्मासिस्ट, एसोसिशन पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सम्मानित किये गये किसान, एकजुटता पर जोर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उ.प्र. किसान कांग्रेस पूर्वी जोन के अध्यक्ष रामभवन शुक्ल का पार्टी के लोगों ने फूल मालाओं से स्वागत किया। प्रेस क्लब सभागार में आयोजित कार्यक्रम में गैर जनपदों के किसान कांग्रेस पदाधिकारी तथा महिलाओं ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। जनपद के 5 किसानों को सम्मानित किया गया। इनमें रामचन्द्र शुक्ल, वीरेन्द्र चौधरी, रामजनक मौर्या, ओमप्रकाश यादव, रामलखन शुक्ल शामिल थे। अध्यक्षता पूर्व विधायक रामजियावन ने की। मुख्य अतिथि जनपद कोआर्डिनेटर आसिफ रिज़्वी ने कहा 2027 में किसानों के कंधों पर सवार होकर कांग्रेस पार्टी सत्ता में वापसी करेगी।

कहा कि मौजूदा सरकार ने न तो एमएसपी तय किया और न ही किसानों की आय दोगुनी हुई। प्रदेश के किसान खुद को ठगा महसूस कर रहे हैं। किसानों को आतंकवादी मानने वाली भाजपा के दिन समाप्त हो रहे हैं, प्रदेश में किसानों, मजदूरों, गरीबों, असहायों और मेहनतकश लोगों की सरकार बनेगी। उन्होने कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों से प्रेस क्लब सभागार को खचाखच भरने के लिये सभी को धन्यवाद दिया। पूर्व जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय ने कहा लोकतांत्रिक परंपराओं में जुल्म और ज्यादती बहुत दिनों तक नही चलती।

पूर्व विधायक अंबिका सिंह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी में राजनीति का एक चरित्र है, जहां संविधान का सम्मान करते हुये लोकतांत्रिक परंपराओं के लिये बलिदान दिया जाता है।

किसान कांग्रेस पूर्वी जोन के उपाध्यक्ष कन्हैया यादव ने कहा भाजपा ने सिर्फ नफरत बोया है। किसानों को ठगा है। जिसे अन्नदाता कहकर देश की 140 करोड़ जनता सम्मान करती है उसे आतंकी कहा, एमएसपी की मांग कर रहे किसानों की राह में कील कांटे बिछाये, ये सारी बातें किसानों को भलीभांति याद है। 2027 में किसान कांग्रेस को सत्ता में वापसी कराकर ही दम लेंगे। ऐतिहासिक स्वागत से अभिभूत रामभवन शुक्ल ने कहा किसान हितों की लड़ाई पूरी दमदारी से लड़ी जायेगी। नेतृत्व के भरोसे पर खरा उतरेंगे और पार्टी को सत्ता मे वापसी कराने में कोई कसर नही छोड़ेंगे। कार्यक्रम में कांग्रेस अध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी की अनुपस्थिति चर्चा का विषय बनी रही।

डा. आलोक रंजन वर्मा, एवं प्रशान्त पाण्डेय ने कहा किसान कांग्रेस की मजबूती पार्टी की सत्ता में वापसी का मार्ग प्रशस्त करेगी। आगामी चुनाव में किसानों की सक्रियता निर्णायक होगी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से महेन्द्र श्रीवास्तव, नर्वदेश्वर शुक्ल, परमात्मा प्रसाद चक्रवर्ती, मुरारी राय आजमगढ़, विनीत सिंह महराजगंज, डीएन शास्त्री, अनिल कुमार भारती, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष लक्ष्मी यादव, बाबबूराम सिंह, शकुन्तला देवी, डा. शीला शर्मा, हरिसेवक त्रिपाठी गोरखपुर, बद्री प्रसाद दूबे देवरिया, श्यामनारायण त्रिपाठी कुशीनगर, अनवर जकी, सोनू यादव, प्रमोद पाण्डेय, मदनलाल मद्धेशिया, भूमिधर गुप्ता, रामबचन भारती, अजय शुक्ल, सुरेन्द्र मिश्रा, देवानंद पाण्डेय, अमित प्रताप गंगा प्रसाद मिश्रा, मीरा सिंह, दिलीप चन्द्रप्रकाश पाण्डेय गोरखपुर, अमरबहादुर शुक्ल, देवी प्रसाद, संजय तिवारी आजमगढ़, मो. सिद्धीक, सुबाष शुक्ल, रामचन्द्र, राकेश यादव, अतीउल्लाह सिद्धीकी, डा. मारूफ अली, कुंवर जितेन्द्र सिंह, गिरजेश पाल, आशुतोष पाण्डेय, नफीस अहमद, सुबुही निकहत, प्रदीप कुमार, सर्वेश , रूद्रपताप , हरिकेश मौर्या, रामशेष यादव, शत्रुघ्न, शर्वेन्दु यादव, शरद यादव आदि मौजूद रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 14 जुलाई 2025 सोमवार

सम्पादकीय

हादसों के पुल और तंत्र

गुजरात, महाराष्ट्र हो या बिहार, देश के कई हिस्सों से आये दिन पुल गिरने, मौतों की खबरे आती ही रहती है। हर पुल के गिर जाने के बाद उसे भुला देने की आदत सी हो गयी है। विसंगति यह कि इंजीनियर, ठेकेदार, जिम्मेदार विभागों के अधिकारियों पर कार्रवाई तक नहीं होती। सच तो ये है कि पुल कमाई का साधन हो गया है। भ्रष्टाचार के पुल जानलेवा होते जा रहे हैं। अच्छा हो कि विभाग, ठेकेदारों की जबाबदेही तय हो।

किसी भी हादसे का सबसे बड़ा सबक यह होना चाहिए कि वैसी घटना दोबारा न हो, इसके लिए सभी स्तर पर हरसंभव उपाय किए जाएं। मगर ऐसा लगता है कि बार—बार के हादसों के बावजूद सरकारी तंत्र के लिए इस पर गौर करना कोई जरूरी काम नहीं है और उसकी नींद तभी खुलती है, जब किसी बड़े हादसे से लोगों के बीच उपजा आक्रोश तूल पकड़ने लगता है। गुजरात के वडोदरा में एक पुल ढह जाने और उससे हुए जानमाल के नुकसान की घटना सरकारी तंत्र की इसी व्यापक लापरवाही और संवेदनहीनता का सबूत है।

गौरतलब है कि वडोदरा में आणंद और पादरा को जोड़ने वाले व्यस्त पुल का एक हिस्सा अचानक ढह गया। इसकी चपेट में कई वाहन आए और टूटते पुल से महिसागर नदी में गिर गए। खबरों के मुताबिक, इसमें कम से कम सोलह लोगों की जान चली गई और कई अन्य घायल हुए।

इस घटना को भी किसी आम हादसे की तरह देखा जाएगा, मरने और घायल होने वालों के लिए मुआवजे की घोषणा और जांच का आश्वासन जारी कर दिया जाएगा। मगर आमतौर पर ऐसी घोषणाओं के बाद सरकारी रवैया कुछ ही दिन में फिर अपने पुराने ढर्रे पर लौट जाता है और शायद किसी अगले हादसे का इंतजार किया जाने लगता है। यह समझना मुश्किल है कि जिस पुल के जर्जर होने और कभी भी हादसे का शिकार होने की आशंका से जुड़ी खबरें आ चुकी थीं, उस पर यातायात को रोकने और अन्य सुरक्षा इंतजाम करने की जरूरत क्यों महसूस नहीं की गई।

यह बेवजह नहीं है कि अब ऐसे सवाल तीखे रूप में उठाए जा रहे हैं कि गुजरात में इस तरह के खराब गुणवत्ता वाले जानलेवा पुल के बनने और भरभरा कर ढहने का सिरा सरकार के किन—किन महकमों और उसके कर्ता—धर्ता से जुड़ा है और इसके जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं होती। जिस राज्य के विकास को देश भर में उदाहरण के रूप में पेश किया जाता है, वहां सिर्फ चालीस साल पहले बना पुल इस हालत में पहुंच जाता है तो इसका जिम्मेदार कौन है? क्या ऐसे लोगों की पड़ताल कर उन्हें कानून के कठघरे में खड़ा किया जाएगा?

दरअसल, वडोदरा में पुल गिरने की घटना देश भर में ऐसे हादसों की महज एक कड़ी है। इससे पहले अक्तूबर, 2022 में गुजरात के ही मोरबी शहर में मच्छू नदी पर बना एक पुल नदी में गिर गया था, जिसमें एक सौ पैंतीस लोगों की जान चली गई थी। तब यह खबर आई थी कि सरकार ने सभी पुलों को मजबूती से जांचने और रखरखाव पुख्ता करने का दावा किया है। मगर पुल ढहने की ताजा घटना से सरकारी दावों की हकीकत एक बार फिर सामने आई है। आमतौर पर किसी भी पुल के बनने के वक्त ही उसकी कुल आयु और रखरखाव के बारे में बता दिया जाता है।

अगर कोई पुल किन्हीं वजहों से जोखिम की हालत में होता है तो उसे बंद कर दिया जाता है। ठोस तरीके से उसकी मरम्मत की जाती है या फिर उसका पुनर्निर्माण किया जाता है। विडंबना यह है कि वडोदरा के जर्जर पुल के जोखिम की आशंका जताए जाने के बावजूद कोई सावधानी नहीं बरती गई। अब सरकार को यह बताने की जरूरत है कि अगर आशंकाओं की जानबूझ कर अनदेखी नहीं की गई तो पुल की हालत के प्रति व्यापक लापरवाही की जवाबदेही किसकी है और कम से कम भविष्य में पुलों को सुरक्षित बनाने को लेकर धरातल पर क्या ठोस कदम उठाए जाएंगे!

जनसंख्या असंतुलन और सामाजिक, सांस्कृतिक प्रभाव

—नीरज कुमार दुबे—

अक्सर कहा जाता है कि भारत में मुस्लिमों की जनसंख्या में तेज वृद्धि हो रही है लेकिन अब जो आंकड़े सामने आये हैं वह दर्शा रहे हैं कि पूरी दुनिया में मुस्लिम आबादी में सबसे तेज वृद्धि हो रही है। आंकड़े यह भी बता रहे हैं कि अगर यही रुझान जारी रहे तो 2050 तक मुस्लिम और ईसाई आबादी लगभग बराबर हो सकती है और 2070 के बाद मुस्लिम जनसंख्या ईसाइयों से आगे निकल सकती है। यह परिवर्तन न केवल सांख्यिकीय रूप से बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक दृष्टि से भी पूरे विश्व को प्रभावित करेगा।

हम आपको बता दें कि प्यू रिसर्च सेंटर की एक विश्लेषणात्मक रिपोर्ट ŽHow the Global Religious Landscape Changed From 2010 जव 2020" ने वैश्विक धार्मिक जनसांख्यिकी में हो रहे व्यापक परिवर्तनों की तस्वीर सामने रखी है। इस रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाला धार्मिक समुदाय मुस्लिम समुदाय है। रिपोर्ट के मुताबिक 2010 से 2020 के बीच मुस्लिमों की संख्या में हुई वृद्धि ने अन्य सभी धर्मों को पीछे छोड़ दिया है।

रिपोर्ट कहती है कि 2010 से 2020 के बीच मुस्लिमों की संख्या 347 मिलियन (34.7 करोड़) बढ़ी, जोकि अन्य सभी धर्मों की सम्मिलित वृद्धि से भी अधिक है। रिपोर्ट के मुताबिक वैश्विक मुस्लिम जनसंख्या का प्रतिशत 23.9: से बढ़कर 25.6: हो गया। यह वृद्धि मुख्य रूप से युवा आबादी और उच्च प्रजनन दर के कारण हुई। रिपोर्ट कहती है कि 2010 में ईसाई वैश्विक आबादी का 30.6: थे, जो 2020 में घटकर 28.8: रह गए। इस गिरावट का मुख्य कारण था धार्मिक त्याग, जिसमें खासतौर पर लोग पश्चिमी देशों में ईसाई धर्म को छोड़ रहे हैं।

वहीं रिपोर्ट कहती है कि वैश्विक हिंदू आबादी लगभग 1.2 अरब हो गई है (2010 में 1.1 अरब थी), यानी 12: की वृद्धि हुई है। हालांकि हिंदुओं का वैश्विक प्रतिशत 15: से मामूली घटकर 14.9: हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, हिंदुओं की प्रजनन दर वैश्विक औसत के अनुरूप है और धर्मांतरण की दर भी बहुत कम है। रिपोर्ट के मुताबिक 2020 तक दुनिया के 95: हिंदू भारत में रहते हैं।

इसके अलावा, 'नो—रिलिजन' वर्ग में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। धार्मिक रूप से असंलग्न लोगों की संख्या 270 मिलियन बढ़कर 1.9 अरब हो गई है और इनका वैश्विक हिस्सा 23.3: से बढ़कर 24.2: हो गया है। वहीं प्रमुख धर्मों में केवल बौद्ध धर्म की आबादी 2010 की तुलना में 2020 में कम रही। 2010 में बौद्ध वैश्विक जनसंख्या का 4.9: थे, पर 2020 में यह घट गया।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में हिंदुओं की आबादी 2010 के 80: से घटकर 2020 में 79: हो गई है। वहीं भारत में मुस्लिम आबादी 2010 के 14.3: से बढ़कर 2020 में 15.2: हो गई है। यह वृद्धि भी मुख्य रूप से प्रजनन दर और युवा जनसंख्या के कारण है, न कि धर्मांतरण से। हालांकि भारत में मुस्लिमों की यह वृद्धि अन्य दक्षिण एशियाई देशों जैसे पाकिस्तान या बांग्लादेश की तुलना में धीमी है, पर फिर भी यह एक महत्वपूर्ण सांख्यिकीय परिवर्तन है।

रिपोर्ट के मुताबिक, 2010 में दुनिया की कुल मुस्लिम आबादी में से 35: मुसलमान 15 वर्ष से कम आयु के थे। उल्लेखनीय है कि इतनी युवा जनसंख्या होने के कारण जन्म दर अधिक बनी रहती है, जिससे आबादी तेजी से बढ़ती है। साथ ही मुस्लिम महिलाओं की औसत प्रजनन दर अन्य धार्मिक समुदायों की तुलना में अधिक है। इससे मुस्लिम जनसंख्या की प्राकृतिक विकास दर भी अधिक होती है। साथ ही, रिपोर्ट कहती है कि मुस्लिमों में धर्म छोड़ने वालों की संख्या और अन्य धर्मों से इस्लाम अपनाने वालों की संख्या लगभग बराबर है। यानी धार्मिक स्विचिंग का असर नगण्य है, जिससे शुद्ध जनसंख्या वृद्धि केवल जन्म के कारण होती है। इसके अलावा, रिपोर्ट के मुताबिक केवल 1: वयस्क ही अपने जन्मजात धर्म से अलग होकर अन्य धर्म अपनाते हैं, विशेष रूप से हिंदू और मुसलमान, इन दोनों समुदायों में धर्म—परिवर्तन की दर अत्यंत कम है।

बहरहाल, च्मू त्मेमंतबी की यह रिपोर्ट दर्शाती है कि आने वाले दशकों में विश्व की धार्मिक जनसंख्या संरचना में महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिल सकते हैं क्योंकि मुस्लिम आबादी में तेज वृद्धि जारी रहने की संभावना है। इसके अलावा, ईसाई समुदाय के समक्ष चुनौतियाँ बढ़ेंगी, खासकर यूरोप और अमेरिका में। रिपोर्ट के मुताबिक हिंदू समुदाय वैश्विक रूप से स्थिर रहेगा, परंतु भारत के भीतर उसके अनुपात में धीरे—धीरे गिरावट संभव है। इसमें कोई दो राय नहीं कि यह रिपोर्ट न केवल जनसांख्यिकी विश्लेषण, बल्कि नीति—निर्धारण, शिक्षा, सांस्कृतिक संरक्षण और धार्मिक सहिष्णुता के दृष्टिकोण से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

कांवड़ यात्रा की आस्था

—प्रदीप कुमार वर्मा—

मन में भगवान भोलेनाथ के प्रति अगाध श्रद्धा। जुबान पर बम बम भोले का जय घोष। कंधों पर पवित्र गंगाजल से भरी कावड़। और गंगाजल को शिव मंदिर में चढ़ाने का जुनून। सावन के महीने में पवित्र कावड़ यात्रा का यही नजारा इन दिनों दिखाई पड़ रहा है। आदि देव महादेव की आराधना का पर्व कहे जाने वाले सावन के महीने में गंग तीर्थ से कावड़ लाकर शिव मंदिरों पर जलाभिषेक करने की परंपरा काफी प्राचीन है। कावड़ यात्रा का शुभारंभ सावन माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि से होता है। इस साल देश में कावड़ यात्रा 11 जुलाई से शुरू जो रही है। इस साल सावन मास में कुल चार सोमवार पड़ेंगे। कांवड़ यात्रा सावन मास के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि से शुरू होकर कृष्ण चतुर्दशी तक यानि सावन की शिवरात्रि तक चलती है। कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को शिवरात्रि होती है, इसलिए कृष्ण पक्ष को भगवान शिव के जलाभिषेक के लिए अच्छा माना जाता है।

ऐसी पौराणिक मान्यता है कि जब समुद्र मंथन के दौरान विषपान करने से भगवान शिव का कंठ नीला पड़ गया था, तब उसके प्रभाव को कम करने के लिए शिवलिंग पर जलाभिषेक किया गया। इसी तरह आज भी शिवलिंग पर जलाभिषेक से प्रसन्न होकर भोलेनाथ भक्ध्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। कावड़ यात्रा शिव की असीम भक्ति का प्रतीक मानी जाती है। इस दौरान कावड़िए पैदल चलकर पवित्र तीर्थस्थानों से गंगाजल लेकर आते हैं और उससे शिवलिंग का अभिषेक करते हैं। कावड़ के प्रकार की बात करें तो वर्तमान में चार प्रकार की कावड़ प्रचलन में है जिनमें साधारण, डाक, खड़ी, और झूला कांवड़ शामिल हैं। पवित्र कावड़ यात्रा के संबंध में एक प्राचीन मत यह भी है कि त्रेतायुग में श्रवण कुमार ने कांवड़ यात्रा की नींव रखी थी। कथा के अनुसार अपने अंधे माता—पिता की तीर्थ यात्रा की इच्छा पूरी करने के लिए उन्होंने उन्हें कांवड़ में बैठाकर हरिद्वार लाया और गंगा स्नान कराया।

लौटते समय वे साथ में गंगाजल भी ले गए, जिससे यह परंपरा शुरू हुई। वैसे तो भारत मे कावड़ यात्रा में कई प्रमुख रास्ते शामिल हैं। लेकिन हरिद्वार, गौमुख और गंगोत्री इसके मुख्य शुरूआती स्थल माने जाते हैं। भक्त यहां से पवित्र गंगा जल लेकर अलग—अलग शिव मंदिरों की ओर रवाना होते हैं। हरिद्वार वाला रास्ता सबसे लोकप्रिय है, जिसमें श्रद्धालु हरिद्वार से ऋषिकेश के नीलकंठ महादेव मंदिर या उत्तर प्रदेश के बागपत में स्थित पूरा महादेव मंदिर तक यात्रा करते हैं। कुछ भक्त गौमुख जाकर वहां से गंगाजल लेते हैं और फिर अपनी पसंद के शिव मंदिर तक यात्रा करते हैं। गंगोत्री भी एक पवित्र स्थान है, जहां से भक्त गंगाजल लेकर वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर या झारखंड के देवघर स्थित बैद्यनाथ धाम तक पहुंचते हैं। इसी तरह, देश में कई जगहें हैं जहां से लोग गंगाजल लेकर अपने—अपने शिव मंदिरों तक जाते हैं और वहां शिवलिंग पर जल चढ़ाकर पूजा करते हैं।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, कांवड़ यात्रा करने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं और जीवन में सुख, शांति और समृद्धि आती है। कहा तो यह भी जाता है कि इस यात्रा से व्यक्ति के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं और उसकी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। कुछ मान्यताओं के अनुसार, इससे अश्वमेघ यज्ञ के समान फल मिलता है। मान्यता यह भी है कि जो भक्त पूरी श्रद्धा, नियम और संयम से यह यात्रा करते हैं, उन्हें जीवन में सुख—समृद्धि प्राप्त होती है। गंग तीर्थ से पवित्र गंगाजल लाकर अपने इलाके के शिवालयों में भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करने की यह प्राचीन परंपरा सर्वाधिक रूप से उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश,राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा तथा बिहार और पश्चिम बंगाल में है। सावन के महीने में इन दोनों कावड़ यात्रा के चलते काफी रौनक देखने को मिलती है बता भगवान भोलेनाथ के भक्ति कावड़ चढ़कर पुण्य लाभ अर्जित करते हैं। इसके अलावा कई भक्त विशेष मनोकामना की पूर्ति के लिए भी कावड़ यात्रा करते हैं।

उधर, सावन का महीना आते ही श्रद्धा, विश्वास और आस्था का प्रतीक मानी जाने वाली कावड यात्रा पर राजनीति शुरू हो जाती है। पिछले पांच सालों से यात्रा हर बार किसी न किसी विवाद के कारण सुर्खियों में रही है। फिर चाहे वह कांवड़ियों पर हेलिकॉप्टर से पुष्पवर्षा हो, कांवड़ की ऊंचाई को लेकर नियम हो, या फिर कांवड़ मार्ग पर होटलों और दुकानों के मालिकों की पहचान की अनिवार्यता संबंधी सरकारी फरमान। इस बार भी उत्तर प्रदेश की योगी तथा उत्तराखंड की धामी सरकार ने कावड़ यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा तथा सुगमता के साथ—साथ कावड़ यात्रियों की आस्था और धार्मिक मान्यताओं के चलते कावड़ यात्रा पर पड़ने वाले मार्ग पर स्थित दुकानों पर नेम प्लेट लगाने का आदेश जारी किया है। इस आदेश के पीछे सरकार की मंशा यह है कि कावड़ यात्रियों के लिए शुद्ध एवं पवित्र भोजन तथा जलपान की व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।

इसके उलट विपक्ष इसे हिंदू—मुसलमान में बांटने की कोशिश बता रहा है। कावड़ जल चढ़ाने के सबसे शुभ दिनों की बात करें तो सावन सोमवार, सावन प्रदोष व्रत और सावन शिवरात्रि का दिन जल चढ़ाने के लिए सबसे उत्तम माना जाता है। वैसे ज्यादातर श्रद्धालु सावन शिवरात्रि के दिन कावड़ जल शिवलिंग को अर्पित करते हैं। धार्मिक उत्सव के साथ—साथ पवित्र कावड़ यात्रा बीते सालों में विवाद का कारण बनी है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने कावड़ियों के लिए जहां ऐतिहासिक इंतजाम किए हैं वहीं, विपक्ष से एक धर्म विशेष को खुश करने की कोशिश बता रहा है। पूर्व की भांति ही इस बार कावड़ यात्रा के मार्ग पर पड़ने वाली दुकानों पर दुकानदारों तथा उस पर काम करने वाले लोगों को नाम और पते लिखना अनिवार्य किया गया है। जिसको लेकर भी सियासी खिंचतान देखनो को मिल रही है। कावड़ यात्रा पर हुए विवाद के इतिहास पर गौर करें तो वर्ष 2022 में मांस और शराब की बिक्री पर प्रतिबंध को लेकर विवाद हुआ।

विपक्ष ने इसे धार्मिक आधार पर भेदभाव बताया, जबकि सरकार ने इसे कांवड़ियों की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करने का कदम करार दिया। इससे एक साल पूर्व वर्ष 2023 में कांवड़ियों पर हेलकॉप्टर से पुष्पवर्षा और यात्रा मार्गों पर विशेष सुविधाओं को लेकर सवाल उठे थे। बीते साल 2024 में कांवड़ मार्ग पर दुकानों और ढाबों के लिए नेमप्लेट अनिवार्य करने का आदेश सबसे बड़ा विवाद बना। मुजफ्फरनगर में शुरू हुआ यह नियम पूरे प्रदेश में लागू किया गया, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इसे निजता के अधिकार का उल्लंघन मानते हुए अंतरिम रोक लगा दी थी। वर्ष 2025 में भी नेमप्लेट विवाद ने फिर से जोर पकड़ा है। उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश सरकार ने कांवड़ मार्ग पर दुकानदारों के लिए नाम और लाइसेंस प्रदर्शित करने का नियम बनाया, जिसे विपक्ष ने सांप्रदायिक तनाव बढ़ाने वाला कदम बताया है। लेकिन इस सब को भुला कर भगवान भोलेनाथ के भक्त अपने कंधों पर कावड़ लेकर उन्हें मनाने के लिए अपने गंतव्य और शिवालयों की ओर निकल पड़े हैं।

बीच बहस में मराठी, हिन्दी विवाद

—अजय जैन 'विकल्प'—

अपनी स्थापना से ही भारत विविधताओं का देश बना हुआ है और भाषा इसकी सबसे खूबसूरत विशेषताओं में से एक है। इसलिए यहाँ अनेकता के बावजूद एकता है, चाहे फिर कोई भी मुद्दा हो, यानी कभी अपने को श्रेष्ठ बताकर किसी अन्य को बुरा नहीं कहा गया, किन्तु इस देश के राज्य महाराष्ट्र की राजधानी मुम्बई में फिलहाल यही बुरा देखा जा रहा है, जो अनुचित है और देश की भाषाई एकता के लिए घातक भी है।

मुम्बई न केवल आर्थिक राजधानी है, बल्कि भाषाओं, संस्कृतियों और समुदायों का संगम स्थल भी है। इस महानगर में मराठी का बोलबाला होना स्वाभाविक है, यह इस मिट्टी की आत्मा है, लेकिन आज एक चिंताजनक प्रवृत्ति उभर रही हैरूहिन्दी के प्रति अघोषित घृणा दिख रही है, जिसके पीछे असहिष्णुता, राजनीतिक विद्वेष एवं स्वयं को सर्वश्रेष्ठ बताने की अजीब मानसिकता है। मराठी को सम्मान देने में किसी को भी कोई आपत्ति नहीं हो सकती है। आपत्ति तब होती है, जब इस सम्मान के नाम पर हिन्दी को हाशिए पर धकेला जाता है, हिन्दी भाषियों को 'बाहरी' करार दिया जाता है, और उनके साथ दुर्व्यवहार होता है। यह केवल भाषाई टकराव नहीं, एक गहरी राजनीतिक साजिश है, जिसे समझना, उजागर करना और विरोध करते हुए हिन्दी के लिए खड़े रहना बहुत आवश्यक है। यह समझना होगा कि मराठी स्वाभिमान की भाषा है, लेकिन हिन्दी के प्रति संकीर्णता सही नहीं है। मराठी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि सभ्यता, इतिहास और गौरव है। छत्रपति शिवाजी महाराज, संत तुकाराम, लोकमान्य तिलक और बाल गंगाधर तिलक आदि महापुरुषों ने मराठी को जनचेतना और क्रांति का माध्यम बनाया, तो कैद में रहते हुए भी राष्ट्रीय एकता के लिए वीर विनायक सावरकर ने हिन्दी कविताएं रचीं एवं हिन्दी सिखाई। आज भी महाराष्ट्र में मराठी साहित्य, नाटक, संगीत और संस्कृति की धारा बह रही है।

मराठी बोलना, मराठी में गर्व करना, उस विरासत को आगे बढ़ाना हर मराठीभाषी का हक और कर्तव्य है मगर जब यह गर्व दूसरों की भाषा के प्रति घृणा में बदल जाता है, तो यह स्वाभिमान नहीं, संकीर्णता बन जाता है।

सबको समझना पड़ेगा कि हिन्दी एकता का सेतु और मुम्बई का मौन आधार है। हिन्दी भारत की सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है, जो उत्तर भारत से लेकर भारत के कोने—कोने तक संवाद का माध्यम है। मुम्बई जैसे महानगर में हिन्दी केवल उत्तर भारतीयों की नहीं, बल्कि लाखों मराठी, गुजराती, बिहारी, तमिल, मलयाली और बंगालियों के भी दैनिक संवाद की भाषा बनी हुई है।

मुम्बई यानी बॉलीवुड सहित रेडियो, टेलीविजन, विज्ञापन, सेवा क्षेत्र और मीडिया के अधिकतर प्रमुख उद्योग हिन्दी के दम पर खड़े हैं। यही नहीं, लाखों मेहनतकश मजदूर, वाहन चालक, नौकर, घरेलू कामगार, उद्घोषक, पत्रकार और कलाकार भी हिन्दी के माध्यम से ही रोजी—रोटी व पहचान प्राप्त करते हैं, तो बड़ा सवाल है कि इस हिन्दी से इतनी घृणा क्यों, मारपीट क्यों, प्रदर्शन क्यों३?

स्थानीय राजनीतिक कारण देखें तो पता चलता है कि 'मराठी बनाम हिन्दी' की कृत्रिम खाई बनाई गई है, क्योंकि उसी से तो सत्ता प्राप्ति का मार्ग मिलेगा। भाषा का यह संघर्ष अचानक नहीं पनपा है, बल्कि यह कुछ राजनीतिक दलों और संगठनों की योजनाबद्ध रणनीति का परिणाम है। 'मराठी मानुस' के नारे के पीछे वर्षों से एक 'अपराधा—बोध' और 'भय' को बोया गया, कि हिन्दी भाषी मुम्बई को 'हड़प' रहे हैं, जबकि सत्यता इससे अलग है और धरातल पर ऐसा कुछ भी नहीं है। हिन्दी बोलने वाला अपना काम कर रहा है, तो मराठी एवं अन्य भाषा बोलने वाला अपनी जिम्मेदारी निभा रहा है, इनमें कोई झगड़ा नहीं है। राज्य और मुम्बई को निगलने के ऐसे विचार न केवल झूठे हैं, बल्कि सामाजिक सौहार्द के लिए खतरा हैं, क्योंकि मुम्बई की आत्मा में तो हिन्दी हमेशा रही है। १९५० के दशक में भी जब बम्बई राज्य बना था, तब भी हिन्दीभाषी इसके विकास में बराबरी से सहभागी थे।

हिन्दी को 'बाहरी भाषा' कहने वाले यह भूल जाते हैं कि संविधान में यह राजभाषा घोषित है और इसे पूरे भारत में समान सम्मान प्राप्त है। ऐसा भी लगता है कि असल डर हिन्दी से नहीं, बल्कि उस जनसांख्यिकी बदलाव से है, जो उत्तर भारत से आए श्रमिकों और युवाओं के कारण मुम्बई में हो रहा है। बेरोजगारी, शिक्षा में गिरावट और स्थानीय युवाओं को नौकरियों नहीं मिलने का दोष भी हिन्दी भाषियों पर डाल देना आसान बहाना बन गया है, लेकिन इसका उचित समाधान खोजने की अपेक्षा हिन्दी को रोककर गुंडागर्दी करना कहाँ से सही हो गया है ? क्या हिन्दी भाषियों को निकाल देने से, हिन्दी नहीं बोलने देने से, राजनीति करने से एवं सिर्फ मराठी की जिद लगाने से युवाओं को रोजगार मिल जाएगा ? राज्य तरक्की कर लेगा, हिन्दी और मराठी का स्नेह बना रहेगा ?

उत्तर साफ है—नहीं, क्योंकि विकास की कुंजी भाषाओं को सीमित करने में नहीं, बल्कि उन्हें सर्वव्यापी व समावेशी बनाने में है। राजनीति के चक्कर में यह भूलना घातक है कि हिन्दी को अपमानित करना आसान है। वास्तव में यह संविधान का अपमान है, क्योंकि संविधान की धारा ३४३ हिन्दी को राजभाषा घोषित करती है। अनुच्छेद १९ हर नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है, तो कोई भी राज्य, नगर या संस्था किसी भाषा विशेष को किसी को बोलने से कैसे रोक सकता है। मुम्बई में हिन्दी बोलने वाले पर तंज कसना, दुकानों के बोर्ड बदलवाना या हिन्दी में सेवा देने से इनकार करना सीधे तौर पर संविधान का सीधा उल्लंघन यानी राष्ट्रद्रोह है।

मुम्बई में हिन्दी का विरोध करने वालों एवं भाषा के बँटवारे पर मौन रहने वालों को भाषाई सौहार्द के उदाहरण दक्षिण भारत से सीख लेनी चाहिए। तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक जैसे राज्यों ने अपनी भाषाओं को मजबूत किया, लेकिन कभी हिन्दी को दुश्मन नहीं बनाया। बेंगलुरु जैसे शहर में भी कन्नड़ प्रमुख है, लेकिन हिन्दी स्वीकार है। वहाँ के लोग हिन्दी सीखते हैं, सिखाते हैं और साथ रहते हैं।

मुम्बई, जो देश का सबसे बड़ा समावेशी शहर कहलाता है, वहाँ से हिन्दी फिल्म और टी.वी. उद्योग निकाल दिया जाए, तो कल्पना करें कि क्या बचेगा ? अगर हिन्दी बोलने वाला अपने ही देश में पराया महसूस करे, तो यह केवल शर्मनाक नहीं, बड़ा जहर है।

सबको इस बात को महसूस करना होगा कि भाषाई टकराव से कुछ नहीं सधेगा। मराठी और हिन्दी दोनों समृद्ध भाषाएं हैं। दोनों में साहित्य, संस्कृति, ज्ञान और इतिहास की गहराइयाँ हैं। इसलिए कुछ सकारात्मक कदम एवं उदारता लेकर विद्यालयों में मराठी और हिन्दी दोनों को सम्मानजनक स्थान दिया जाए। सार्वजनिक बोर्डों में मराठी प्रमुख हो, लेकिन हिन्दी को न हटाया जाए। सरकार ऐसे कार्यक्रम चलाए, जो भाषाई सौहार्द को बढ़ावा दें। यानी नेता 'वोट बैंक' के लिए भाषा को हथियार न बनाएं।

राजनीति से पनपाए गए इस विवाद का समाधान बनाम निष्कर्ष यही है कि मुम्बई की आत्मा मराठी और हिन्दी का संगम है, यानी मुम्बई केवल मराठी या हिन्दी की नहीं, बल्कि पूरे भारत की है। जैसे कश्मीर भारत का स्वर्ग है, ऐसे ही महाराष्ट्र और मुम्बई का असली सौंदर्य विविधता—अनेकता में है। हिन्दी से घृणा करके हम न तो मराठी को मजबूत कर सकते हैं, न मुम्बई को।

मराठी और हिन्दी २ भाषाएं नहीं, २ आत्माएं हैं—जिन्हें जोड़कर ही भारत एकता और शक्ति की मिसाल बनेगा। कारण कि किसी भी भाषा से प्रेम करना अच्छी बात है, लेकिन किसी भाषा से घृणा करना अपने ही देश और उसके नियम—कायदों से घृणा करने जैसा है।

छांगुर बाबा का संबंध आईएसआई से, उसका एनकाउंटर होना चाहिए –डा. रामविलास दास

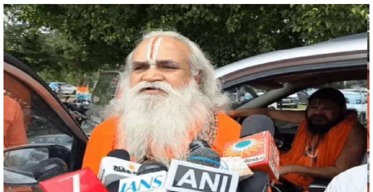

संवाददाता–गोण्डा। पूर्व सांसद व भाजपा नेता, संत डॉ. रामविलास दास वेदांती गोंडा दौरे पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने छांगुर बाबा धर्मांतरण प्रकरण और सपा प्रमुख अखिलेश यादव के कांवड़ यात्रा पर दिए बयान को लेकर तंज कसा। उन्होंने कहा कि छांगुर बाबा जैसे लोग देश में धार्मिक और सामाजिक ताने–बाने को तोड़ने की साजिश रच रहे हैं। वेदांती ने कहाकि आज देश में इस्लामी आतंकवाद का जो प्रारूप खड़ा हो रहा है, वह पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री को ज्ञात नहीं था। अब सरकार को इसकी गंभीरता का एहसास हो गया है। छांगुर जैसे हजारों लोग देश में सक्रिय हैं, जिनकी जांच बेहद जरूरी है। मुझे पूरा संदेह है कि इस बाबा के पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से संबंध हैं। इस तरह के लोगों को सपा, बसपा और कांग्रेस सरकारों ने संरक्षण दिया।

उन्होंने कहाकि छांगुर बाबा हिंदू लड़कियों के साथ दुर्व्यवहार और अत्याचार कर रहा था। ऐसे लोगों को जेल नहीं, सीधे फांसी दी जानी चाहिए। भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार को चाहिए कि ऐसे लोगों पर मुकदमा न चलाकर सीधे एनकाउंटर किया जाए। जांच एजेंसियों की लापरवाही भी चिंताजनक है। आईबी, सीबीआई और एलआईयू के अधिकारी एसी कमरों में बैठे रहते हैं, उन्हें भी जवाबदेह बनाया जाए।

कांवड़ यात्रा को लेकर अखिलेश यादव के बयान पर भी वेदांती ने पलटवार किया। उन्होंने कहाकि कांवड़ यात्रा हमारी सनातन संस्कृति की धरोहर है। इसे बदनाम करने की साजिश अखिलेश यादव और उनकी पार्टी रच रही है। कुछ अराजक तत्वों को बढ़ावा देकर माहौल खराब किया जा रहा है, और इसके पीछे सपा–कांग्रेस का हाथ है। यहां तक कि [illegible] के एजेंटों के जरिए हिंदू आस्था को बदनाम करने की कोशिश हो रही है।

बाबा बागेश्वर के बयान– भगवा ए हिंद की सेना चलनी चाहिए पर वेदांती ने कहा– भारत की सेना सक्षम है। हिंदू धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए केंद्र और राज्य सरकारें पर्याप्त हैं। ऐसे किसी वैकल्पिक सेना की आवश्यकता नहीं है। वेदांती ने कहा–किछांगुर जैसे लोगों की संख्या बहुत ज्यादा है। केवल मकान गिराने से समस्या हल नहीं होगी। इनके नेटवर्क को तोड़ना होगा, इनकी जांच पूरे देश में होनी चाहिए। सीबीआई और आईबी को सक्रिय किया जाना चाहिए। आतंकवाद से जुड़े लोगों को देखते ही गोली मारने के आदेश होने चाहिए। जब तक इनके साथियों को नहीं पकड़ा जाएगा और कड़ी सजा नहीं दी जाएगी, तब तक देश को ऐसे षड्यंत्रों से मुक्ति नहीं मिलेगी।

तहसीलदारों को जाति प्रमाण पत्र संबंधी प्रशिक्षण दिलाएं एडीएम –डीएम

संवाददाता–कुशीनगर। कलक्ट्रेट सभागर में डीएम महेन्द्र सिहं तंवर की अध्यक्षता में जनपदीय जाति प्रमाण समिति की बैठक हुई। इसमें जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा बारी–बारी से निरस्त जाति प्रमाण पत्र के अपीलीय प्रकरणों को डीएम के समक्ष रखा गया। इन प्रकरणों में अधिकतर मामले खरवार, पासी, गौड़, कुम्हार,धनकर आदि विभिन्न जाति के प्रमाण पत्रों से संबंधित रहे। डीएम ने कहा कि सभी तहसीलदार जाति प्रमाण पत्र निर्गत करने संबंधी शासनादेश का भली भांति अध्ययन कर लें। लेखपाल की रिपोर्ट पर बिल्कुल निर्णय न लें और अपनी जिम्मेदारी निभाएं। सभी जातियों के इतिहास का अध्ययन करें। उन्होंने एडीएम को निर्देशित किया कि सभी तहसीलदारों को जाति प्रमाण पत्र संबंधित प्रशिक्षण दिलायें।

डीएम ने आगे कहा कि समिति के माध्यम से प्रत्येक माह के दूसरे शुक्रवार को बैठक किया जायगा तथा पक्ष , विपक्ष दोनों की बात सुनकर आदेश जारी किया जायेगा। उन्होंने कहा कि यदि किसी को मेरे निर्णय से आपत्ति है तो मंडलीय समिति में अपील कर सकते हैं। इसमें भी मंडलायुक्त स्तर से संतुष्ट नहीं होते है तो फिर शासकीय समिति में अपील कर सकते हैं। कुछ समस्याएं वास्तविक रूप में हैं, जिसको इस समिति के माध्यम से निस्तारण किया जाता है।

डीएम ने लोगों से अपील की कि सामाजिक रूप से छोटे छोटे लाभ लेने के लिए अपनी जातियां न बदलें, सामाजिक रूप से नैतिक मूल्यों का पतन किया जा रहा है। समिति के समक्ष प्रस्तुत प्रकरणों में डीएम ने दोनों पक्षों की बातों को समान अवसर देते हुए बारी–बारी से सुना, जिसमें कुछ मामलों में एक सप्ताह का समय भी पक्ष व विपक्ष को पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिये दिया गया। डीएम ने कहा कि जिन्हें भी इस समिति के समक्ष जाति प्रमाण पत्र निर्गत करने व निरस्त करने के अपील में दृष्टिगत कोई प्रकरण है तो समिति के समक्ष या जिला समाज कल्याण अधिकारी के कार्यालय में शासन की व्यवस्था के अनुरूप प्रस्तुत कर सकते हैं। इस दौरान सीडीओ गुंजन द्विवेदी, एडीएम वैभव मिश्रा, एडीएम न्यायिक प्रेम कुमार राय, जिला समाज कल्याण अधिकारी रमाशंकर यादव सहित सभी तहसीलदार और संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

लापता किशोरी की हत्या, नदी में मिला शव

संवाददाता–देवरिया। कुशीनगर के हाटा कोतवाली क्षेत्र से लापता हुई 16 वर्षीय किशोरी का शव देवरिया जिले में मिला है। शव रामपुर कारखाना थाना क्षेत्र के रामपुर चंद्रभान गांव के पास नदी से बरामद किया गया। किशोरी 10 जुलाई को घर से निकली थी। परिवार ने देर रात तक वापस न लौटने पर खोजबीन की। अगले दिन परिजनों ने हाटा कोतवाली में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। रामपुर चंद्रभान गांव के लोगों ने शनिवार सुबह नदी में शव देखा। स्थानीय पुलिस को सूचना दी गई। रविवार को परिजनों ने कपड़ों से शव की पहचान कर ली। पुलिस ने बताया कि किशोरी के शरीर पर चोट के निशान मिले हैं। कपड़े अस्त–व्यस्त मिले हैं। इससे दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका जताई जा रही है। मृत्यु के कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट से चलेगा। हाटा कोतवाली के दरोगा अमरनाथ सोनकर ने देवरिया के रामपुर कारखाना पुलिस से जानकारी ली है।

फर्जी आयुष्मान कार्ड बनाकर ठगी करने वाला गिरफ्तार

संवाददाता–महराजगंज। साइबर क्राइम टीम ने फर्जी आयुष्मान कार्ड बनाकर धोखाधड़ी करने वाले एक आरोपी को रविवार को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक सोमेन्द्र मीना के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान में यह कार्रवाई की गई। साइबर थाना प्रभारी सजनू यादव के नेतृत्व में टीम ने रविवार को लखनऊ के बन्थरा थाना क्षेत्र के पिपहरी निवासी प्रवीन कुमार को उसके घर के सामने से पकड़ा। प्रवीन अपने साथी रामकुमार यादव के साथ मिलकर लोगों से 4 से 5 हजार रुपए लेकर फर्जी आयुष्मान भारत कार्ड बनाता था। इस मामले में पुलिस पहले ही महराजगंज के कोल्हुई थाना क्षेत्र के एकसड़वा निवासी रामकुमार यादव को 11 जुलाई को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक अमित यादव और तीन हेड कांस्टेबल शामिल थे। पुलिस ने इस मामले में मुकदमा संख्या 27ध्2025 के तहत विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि साइबर अपराधों पर रोक लगाने के लिए पुलिस प्रतिबद्ध है और ऐसी कार्रवाई जारी रहेगी।

तीन मंजिला अवास की छत से गिरकर आरक्षी की मौत

संवाददाता–श्रावस्ती। जिला कारागार में तैनात आरक्षी रविवार दोपहर संदिग्ध परिस्थितियों में अपने तीन मंजिला आवास की छत से नीचे गिर गया। उसे जेल आरक्षियों ने एंबुलेंस से संयुक्त जिला चिकित्सालय भिनगा पहुंचाया। यहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। गोरखपुर जिले के शाहपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम जंगल सालिगराम पुरवा निवासी अभिषेक बच्चन (28) 2011 बैच में कारागार आरक्षी के पद पर नियुक्त हुआ था। मौजूदा समय वह जिला कारागार भिनगा में तैनात था। अभिषेक का अब तक विवाह नहीं हुआ था। वह जेल परिसर में बने सरकारी आवास में रह रहा था।

रविवार दोपहर बाद संदिग्ध परिस्थितियों में आवास की तीसरी मंजिल की छत से नीचे गिर गया। आसपास रह रहे आरक्षियों ने एंबुलेंस से उसे संयुक्त जिला चिकित्सालय स्थित इमरजेंसी वार्ड पहुंचाया। यहां मौजूद चिकित्सकों ने अभिषेक को मृत घोषित कर दिया। चिकित्सक की सूचना पर पहुंची भिनगा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं मौके पर मौजूद जेल अधीक्षक आशीष रंजन का कहना है कि मृतक आरक्षी के परिवार को घटना की जानकारी दे दी गई है।

भिनगा में आज होगा रोजगार मेले का आयोजन

संवाददाता–श्रावस्ती। नोडल प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई भिनगा विनोद कुमार गुप्ता ने बताया कि राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान भिनगा में सोमवार को रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। जिसमें पिपल ट्री आनलाइन, क्विज कार्प लिमिटेड व इमिनियंस यूथ पावर प्राइवेट लिमिटेड कम्पनियां शामिल होंगी। इन कम्पनियों की ओर से अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। चयनित अभ्यर्थियों को मासिक वेतन अधिकतम 16 हजार रुपये प्रदान किया जाएगा।

6 लाख की अंग्रेजी शराब बरामद, बिहार का तस्कर हथियार के साथ गिरफ्तार

संवाददाता–देवरिया। जिले में ऑपरेशन प्रहार के तहत सलेमपुर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने रविवार को बिगही के पास सोनू ढाबा के निकट से एक डंपर को रोका। तलाशी में डंपर से ऑफिसर्स च्वाइस ब्रांड की 103 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद हुई। यह शराब बिहार ले जाई जा रही थी। पुलिस ने मौके से अंतर्राज्यीय तस्कर को गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान बिहार के सिवान जिले के बसंतपुर थाना क्षेत्र के बभनौली निवासी निजामुद्दीन के रूप में हुई। वह आबिद हुसैन का पुत्र है। आरोपी के पास से एक अवैध देशी तमंचा 315 बोर और एक जिंदा कारतूस भी मिला। थाना सलेमपुर में आरोपी के खिलाफ धारा 341(2) बीएनएस, 60 आबकारी अधिनियम और 3ध्25 आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। बरामद शराब की कीमत लगभग 6 लाख रुपये है। जब्त किए गए डंपर की कीमत भी लाखों में बताई जा रही है। क्षेत्राधिकारी दीपक शुक्ल के अनुसार, मुखबिर की सूचना पर यह कार्रवाई की गई। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

कटहरा खास मंदिर का डीएम ने किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

संवाददाता–महराजगंज। श्रावण मास के पहले सोमवार को आने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ के मद्देनजर जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने कटहरा खास शिव मंदिर का निरीक्षण किया। उनके साथ अपर जिलाधिकारी डॉ. प्रशांत कुमार, एसडीएम सदर जितेंद्र कुमार समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे। जिलाधिकारी ने मंदिर परिसर, यात्री निवास और दुकानों की व्यवस्था का जायजा लिया। शौचालय में गंदगी देखकर उन्होंने नाराजगी जताई। उन्होंने तत्काल सफाई के आदेश दिए। मंदिर परिसर की नियमित सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

भीड़ को देखते हुए पेयजल की व्यवस्था बढ़ाने के निर्देश दिए गए। अमृत सरोवर में जल आपूर्ति और बंद पड़े सीसीटीवी कैमरों को चालू करने के आदेश भी दिए। उपजिलाधिकारी सदर को मंदिर का समुचित प्रबंधन सुनिश्चित करने को कहा गया। निरीक्षण से पहले जिलाधिकारी शर्मा ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया। उन्होंने जनपदवासियों की सुख–शांति की कामना की। कटहरा खास मंदिर महराजगंज के सबसे प्राचीन मंदिरों में से एक है। सावन के हर सोमवार को रात 12 बजे से ही श्रद्धालु जलाभिषेक के लिए यहां पहुंचने लगते हैं। साधु–संतों की पूजा के बाद मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोले जाते हैं।

अभिनन्दन समारोह में मेधावियों का हुआ सम्मान

संवाददाता–श्रावस्ती। प्रतिभा संरक्षण सेवा न्यास की ओर से रविवार को भिनगा स्थित दीप वाटिका मैरेज हाल में मेधावी अभिनन्दन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में यूपी बोर्ड की वर्ष 2025 की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट के मेधावियों को सम्मानित किया गया। मेधावी अभिनन्दन समारोह के मुख्य अतिथि मेजर डा. एसपी सिंह व विशिष्ट अतिथि श्रावस्ती डीपीआरओ नन्दलाल, डिस्ट्रिक बार एसोसिएशन अध्यक्ष दिनेश शुक्ला तथा भिनगा विधायक प्रतिनिधि अरमान वर्मा रहे। अतिथियों ने सभी मेधावी छात्र छात्राओं को फूलमाला पहनाकर व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि मेजर डा. एसपी सिंह ने कहा कि शिक्षा हमें सर्वांगीण विकास का अवसर देती है। शिक्षा के क्षेत्र में बच्चों को प्रोत्साहित करके आगे बढ़ाना माता–पिता के साथ–साथ समाज और सामाजिक संस्थाएं अगर अपनी जिम्मेदारी मान लें तो देश बहुत जल्द विकसित राष्ट्र बन जाएगा। खुद शिक्षित होकर दूसरों को भी शिक्षित करने की जरूरत है। बच्चों को प्रोत्साहित करने के ऐसे सामाजिक कार्यक्रम समाज में एक मिसाल के रूप में होते हैं। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष डा. देवेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि संगठन की ओर से इस कार्यक्रम का आयोजन पूरे प्रदेश में कई वर्षों से लगातार किया जा रहा है। जिसका मुख्य उद्देश्य जनपद व प्रदेश के मेधावी बच्चों का मनोबल बढ़ाना है। जिससे क्षेत्र, समाज व राष्ट्र हित का उद्देश्य पूर्ण हो सके। इस मौके पर डा. आरके मौर्य, प्रदेश संरक्षक घनश्याम बाजपेयी, प्रदेश प्रचार प्रचार प्रमुख अमर नाथ मिश्र, संजय सिंह, ध्रुव मिश्र, डा. अनन्तराम निषाद, पवन कुमार मौर्य, पुनीत कुमार मिश्र आदि मौजूद रहे।

मुलायम ने कारसेवकों पर अत्याचार किए, अब अखिलेश को धार्मिक यात्रा से हो रही दिक्कत –पंकज चौधरी

संवाददाता–गोण्डा। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने रविवार को गोंडा का एक दिवसीय दौरा किया। उन्होंने केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह के पिता आनंद सिंह के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की। चौधरी ने दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि अर्पित की और शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात की। मीडिया से बातचीत के दौरान पंकज चौधरी ने प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को लेकर विपक्ष के आरोपों पर जवाब दिया। उन्होंने कहा कि [illegible] के माध्यम से देश में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और युवाओं को नए रोजगार के अवसर मिलेंगे। विपक्ष इस विषय पर जनता को भ्रमित कर रहा है, जबकि सच्चाई यह है कि विदेशी निवेश से अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है। राहुल गांधी के 'लाल किताब' प्रकरण पर चौधरी ने कहा कि वह संसद से पारित कानून को फाड़कर संविधान का उल्लंघन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार में इस शलाल किताबश को दिखाकर लोगों को गुमराह किया जा रहा है, जो लोकतांत्रिक परंपराओं के खिलाफ है। यूपी में कानून–व्यवस्था की तारीफ करते हुए पंकज चौधरी ने कहा कि आज राज्य में कानून का राज है और आम नागरिक खुद को सुरक्षित महसूस कर रहा है। कांवड़ यात्रा पर अखिलेश यादव के बयान को लेकर उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव ने कारसेवकों पर अत्याचार किए थे। ऐसे में हिंदू समाज की धार्मिक यात्रा को सुविधाएं देना कोई अपराध नहीं है।

आउटसोर्सिंग से जुड़े सवाल पर मंत्री ने कहा कि जहां आवश्यकता है, वहां इसे लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विपक्ष इसे लेकर अनावश्यक नेगेटिव माहौल बना रहा है और देश के युवाओं को गुमराह कर रहा है, जबकि यह एक प्रशासनिक आवश्यकता है।

फर्जी वसीयतनामा के जरिए जमीन हड़पने की कोशिश, तीन गिरफ्तार

संवाददाता–बलरामपुर। जमीन हड़पने के उद्देश्य से फर्जी दस्तावेज तैयार कर अवैध कब्जा करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। कोतवाली नगर पुलिस ने रविवार को एक पुरुष और दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है।जिन पर फर्जी वसीयतनामा के जरिए जमीन कब्जाने, धमकी देने और गाली–गलौज करने जैसे गंभीर आरोप लगे हैं। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक विकास कुमार के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पांडेय और क्षेत्राधिकारी नगर ज्योति श्री के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक सुधीर कुमार सिंह और उनकी टीम ने आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया।

पीड़ित रिजवान अहमद, निवासी मोहल्ला पुरैनिया तालाब, वार्ड–नई बाजार, ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि आरोपियों ने उनकी पुश्तैनी भूमि गाटा संख्या 1655 और 1671 पर कब्जा करने के लिए मृत मोहम्मद शाह के नाम पर चिथरू नामक जीवित व्यक्ति को खड़ा कर रजिस्ट्री करवाई। यह रजिस्ट्री मन्नरमाला पत्नी जुम्मन के पक्ष में गोंडा रजिस्ट्री ऑफिस में करवाई गई। इसके बाद आरोपी भूमि पर कब्जा कर ढाबा चला रहे थे। जब पीड़ित और उसके सह–खातेदारों ने इसका विरोध किया, तो आरोपियों ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी। गिरफ्तार अभियुक्तों में बृजराज सिंह पुत्र महीपाल सिंह दृ निवासी नई बाजार, पचपेड़वा, विभा सिंह पुत्री राजकुमार सिंह दृ निवासी चुंगी नाका, तुलसीपुर रोड संध्या सिंह पत्नी श्याम सिंह दृ निवासी कालीथान, कोतवाली नगर के रहने वाले है।

पुलिस का कहना है कि इस मामले में गिरफ्तार अभियुक्तों से पूछताछ की जा रही है। गिरोह में संलिप्त अन्य लोगों की भूमिका भी खंगाली जा रही है। पुलिस ने यह भी बताया कि जमीन संबंधी दस्तावेजों और रजिस्ट्री प्रक्रिया की फॉरेंसिक और विधिक जांच भी कराई जाएगी।

शव का अंतिम संस्कार करने से इनकार पुलिस ने दो को बनाया आरोपी

संवाददाता–बहराइच। रुपईडीहा थाना क्षेत्र के तकिया गांव में कोल्ड्रिंक को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति की मौत हो गई। शनिवार को हुई इस घटना में रामजीत को लाठी–डंडों से पीटा गया। इलाज के दौरान जिला अस्पताल में उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के पिता की शिकायत पर दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। इनमें से एक की गिरफ्तारी भी कर ली गई। रविवार शाम को पोस्टमार्टम के बाद जब शव गांव पहुंचा, तो मातम छा गया। मृतक की पत्नी सुषमा गौतम का आरोप है कि उनके पति की हत्या पांच लोगों ने की है। उन्होंने कहा कि उनकी आंखों के सामने उनके पति को पीटा गया। उन्होंने पुलिस और अपने ससुर पर दबाव में केवल दो लोगों को आरोपी बनाने का आरोप लगाया है। सुषमा ने सभी पांच आरोपियों की गिरफ्तारी तक शव का अंतिम संस्कार करने से मना कर दिया है। स्थिति को देखते हुए गांव में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। रुपईडीहा थाने के क्राइम इंस्पेक्टर रंजीत कुमार यादव ने बताया कि मृतक की पत्नी द्वारा जिन लोगों को आरोपी बताया गया है, उन सभी का नाम जांच में शामिल कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

डयूटी से लौट रहे वनकर्मी को वाहन ने रौंदा, मौके पर मौत

संवाददाता–महराजगंज। सोहगीबरवा सेंक्चुरी के पकड़ी रेंज स्थित महलगंज बीट से रविवार सुबह ड्यूटी से लौट रहे एक वनकर्मी को किसी वाहन ने रौंद दिया। इस हादसे में वन कर्मी की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान गोरखपुर के खोराबार थाना क्षेत्र के रायगंज बाजार निवासी 50 वर्षीय रामहित यादव के रूप में हुई है। वह वन विभाग में न्यूनतम वेतन कर्मी के रूप में पकड़ी रेंज की महलगंज बीट में तैनात थे। वन विभाग के न्यूनतम वेतन कर्मी रामहित यादव जंगल में गश्त पर गए थे। ड्यूटी पूरी करने के बाद वह रविवार को साइकिल से घर लौट रहे थे कि महराजगंज–फरेंदा एनएच 730 पर पिपरा रसूलपुर गांव के पास सुबह करीब आठ बजे अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि रामहित की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने हादसे की सूचना तुरंत पुलिस को दी। मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली सत्येन्द्र कुमार राय ने बताया कि महराजगंज–फरेंदा एनएच 730 पर रसूलपुर गांव के समीप सड़क हादसे में पचास वर्षीय वनकर्मी की मौत हो गई। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। वाहन की तलाश की जा रही है। घटना की जांच कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

गन्ने के खेत में पेड़ से फंदे में लटकी मिली महिला की लाश

संवाददाता–श्रावस्ती। संदिग्ध परिस्थितियों में एक महिला की लाश गांव के बाहर गन्ने के खेत में बबूल पेड़ के सहारे फांसी के फंदे से लटकी पाई गई। महिला शनिवार शाम से ही घर से लापता थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोतवाली क्षेत्र भिनगा के सुखलाल पुरवा गांव निवासी ननका देवी (38) पत्नी शोभाराम का शव रविवार को गांव के बाहर गन्ने के खेत में पेड़ के सहारे फांसी के फंदे से लटका पाया गया। सुबह कुछ ग्रामीण शौच के लिए खेत की ओर गए थे जिनकी नजर लटकते शव पर पड़ी तो उन्होंने परिजनों को मामले की जानकारी दी।

साथ ही लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर भिनगा कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक राज कुमार सरोज, चौकी प्रभारी शमशाद अली पुलिस व फारेंसिक टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंच गए। फोरेंसिक टीम प्रभारी लालजी पासवान ने मौके से साक्ष्य संकलित किया। साथ ही पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बताया जाता है कि ननका देवी शनिवार शाम से ही घर से लापता थी और परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। परिजनों का कहना है कि शनिवार को महिला घर में किसी को बिना कुछ बताए कहीं चली गई थी। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वजह पता चल पाएगी।

नेपाल, नागालैंड समेत कई राज्यों के पहलवानों ने दिखाया दम

संवाददाता–बहराइच। जालिम नगर में रविवार को विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय कुश्ती दंगल का दूसरा दिन उत्साह से भरा रहा। मुख्य अतिथि उमेश प्रताप सिंह ने पहलवानों का परिचय करवाकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इस प्रतियोगिता में नागालैंड, नेपाल, उत्तराखंड और बरेली के पहलवानों ने हिस्सा लिया। नागालैंड के पहलवान कुटुम्ब कुटम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कई प्रतिद्वंदियों को पटखनी दी। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले पहलवान को 21 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा।

कार्यक्रम में हजारों की संख्या में दर्शक मौजूद रहे। सुरक्षा व्यवस्था के लिए मोतीपुर थाने की पुलिस तैनात रही। मिहिपुरवा क्षेत्र के जालिम नगर गांव में आयोजित इस दंगल में पहलवानों के बीच कई घंटों तक रोमांचक मुकाबले देखने को मिले।

सिलेंडर में रिसाव होने से दुकान में लगी आग, तीन दुकानें जलकर राख, 3 लाख का हुआ नुकसान

संवाददाता–बलरामपुर। उतरौला क्षेत्र के नया नगर बाजार में शनिवार शाम एक सिलेंडर से रिसाव के कारण भीषण आग लग गई। आग की चपेट में तीन दुकानें आ गईं। घटना शाम 6 बजे की है। सर्राफा कारीगर दिग्विजय सोनी की दुकान में जेवर बनाने के दौरान छोटे सिलेंडर का पाइप फट गया। आग ने तुरंत विकराल रूप ले लिया। दुकान में रखे करीब 10 ग्राम 230 मिली सोना, जेवर बनाने के उपकरण और अन्य सामग्री जलकर राख हो गई। आग ने पड़ोस की दुकानों को भी अपनी चपेट में ले लिया। रामू गुप्ता की कपड़े की दुकान में रखा दो लाख रुपए का माल जल गया। दिनेश कुमार की मोबाइल रिपेयर की दुकान में रखे मोबाइल, उपकरण, बैटरी, इन्वर्टर और कैमरे भी आग की भेंट चढ़ गए।

स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए आग पर काबू पाने का प्रयास किया। उन्होंने आग को आगे फैलने से रोक लिया। प्रशासनिक टीम भी मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। रविवार को लेखपाल बिनय कुमार यादव ने मौके पर पहुंचकर नुकसान का आकलन किया। उन्होंने अपनी रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को सौंप दी है। इस हादसे में कुल तीन लाख से अधिक की क्षति का अनुमान है। प्रभावित दुकानदारों ने प्रशासन से आर्थिक मदद की मांग की है।

शिक्षा और शराब माफिया के इशारे पर काम कर रही यूपी सरकार -संजय सिंह

संवाददाता—गोरखपुर। आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार शिक्षा और शराब माफिया के हाथों की कठपुतली बन गई है। इस प्रदेश में अब तक 26000 स्कूल बंद किया जा चुके हैं। करीब 27000 स्कूलों को बंद करने की प्रक्रिया चल रही है। इसके अलावा 5000 और स्कूलों को बंद करने की योजना है। प्रदेश में हर एक किलोमीटर पर शराब की दुकान और चार किलोमीटर पर स्कूल मिलेंगे। प्रदेश में मधुशाला की संख्या बढ़ रही है। पाठशाला की कम हो रही है। आम आदमी पार्टी प्रदेश सरकार द्वारा स्कूलों की बंद करने के फैसले का विरोध करती है। पार्टी इस मसले को सड़क से लेकर संसद तक उठाएगी। इसमें सुप्रीम कोर्ट में भी जाएगी। संजय सिंह रविवार को गोरखपुर के बक्शीपुर स्थित मैरिज हॉल में पूर्वी यूपी के कार्यकर्ताओं के सम्मेलन संबोधित कर रहे थे। घाटे में नहीं है बिजली विभाग निजीकरण के विरोध में आंदोलन कर रहे बिजली विभाग के कर्मचारियों पर भी संजय सिंह ने डोरे डालने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि प्रदेश का बिजली विभाग घाटे में नहीं है। बिजली माफियाओं के दबाव में सरकार गलत बयान बाजी कर रही है। यह सिर्फ बिजली के माफियाओं को फायदा देने के लिए आंकड़े जारी किए जा रहे हैं। आम आदमी पास इस बात की पुख्ता सबूत है कि विभाग मुनाफे में है। इसको लेकर एक विस्तृत कार्यक्रम किया जाएगा। इस मामले को भी संसद में उठाया जाएगा । बिहार में चुनाव आयोग की मदद से जीतना चाहती है भाजपा संजय सिंह ने बिहार में चुनाव आयोग द्वारा विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण के फैसले को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने कहा कि बिहार में विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण चल रहा है। इसके नियम बेहद सख्त है । बड़ी संख्या में लोग इस पुनरीक्षण के दायरे से बाहर हो रहे हैं। उन पर रोहिन्या और बांग्लादेश होने का आरोप लगाया जा रहा है। बीजेपी बिहार में चुनाव जीतने के लिए आयोग की मदद ले रही है । घर—घर पहुंचेगी आप, लड़ेगी चुनाव उन्होंने कार्यकर्ताओं से बताया कि अब प्रदेश में हर घर संपर्क अभियान शुरू किया जा रहा है। इस अभियान में कार्यकर्ता घर—घर जाकर लोगों को आम आदमी पार्टी के कार्यों की जानकारी देंगे। उन्हें पार्टी से जोड़ेंगे। पार्टी भविष्य में जिला पंचायत से लेकर ब्लॉक प्रमुख तक के चुनाव लड़ेगी। उन्होंने मुख्यमंत्री को याद दिलाया कि चुनावी रैली में जिला पंचायत अध्यक्ष और ब्लॉक प्रमुख का चुनाव सीधे आम मतदाता से करने का ऐलान किया था । उन्होंने मुख्यमंत्री कहा कि इस ऐलान को पूरा करने का समय आ गया है। इस सम्मेलन में गोरखपुर , बस्ती, आजमगढ़, देवीपाटन मंडल के कार्यकर्ता शामिल हुए। इसके अलावा दिल्ली और पंजाब से भी आपके पदाधिकारी कार्यक्रम शामिल हुए इंडिया गठबंधन में सहयोगी दलों को तवज्जो नहीं दे रही कांग्रेस सांसद संजय सिंह ने कांग्रेस की अगुवाई वाले इंडिया गठबंधन को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन की कमान कांग्रेस पार्टी के हाथ में है। यह पार्टी छोटे सहयोगी दलों को तवज्जो नहीं दे रही है। आने वाले दिनों में विभिन्न राज्यों में होने वाले चुनाव में गठबंधन की क्या रणनीति होगी , उसको लेकर कोई भी तैयारी नहीं है। इस पर भी गठबंधन की कोई बैठक नहीं हो सकी। आलम यह है कि 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद से अब तक इंडिया गठबंधन की कोई औपचारिक बैठक भी नहीं हो सकी है। उन्होंने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि इंडिया गठबंधन के कांग्रेसी नेता विभिन्न राज्यों में सहयोगी क्षेत्रीय दलों पर अनर्गल आरोप लगा रहे हैं। दिल्ली में आम आदमी पार्टी के चुनाव हारने पर कांग्रेस के नेता मिठाई बांट रहे थे। खुशी मना रहे थे। यूपी में कांग्रेस के नेता सहयोगी समाजवादी पार्टी पर हमला करते हैं। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के खिलाफ बयानबाजी करते हैं। यह ठीक संकेत नहीं है। इससे गठबंधन में विश्वास दरक सकता है। हालांकि उन्होंने अभी गठबंधन तोड़ने के किसी भी पहल से इनकार किया। उन्होंने कहा कि अभी भी पार्टी इंडिया गठबंधन से जुड़ी है। पार्टी की अभी कोई भी ऐसी योजना कोई तीसरा गठबंधन बनाने की नहीं है । इसको लेकर पार्टी के किसी भी नेता ने दूसरे सहयोगी दलों से कोई संपर्क भी नहीं किया है। कोई संवाद भी नहीं है । इन चिंताओं को उचित फोरम पर उठाया जाएगा।

स्टेशनरी गोदाम, शोरुम और घर में लगी भीषण आग से लाखों का नुकसान

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। बुनकर नगरी टांडा के मोहल्ला छज्जापुर के दक्षिण गली में स्थित सरदार सुरेंद्र सिंह स्टेशनरी के थोक विक्रेता के तीन मंजिला भवन में रविवार की रात आग लग गई। आग इतनी भयंकर रही कि पूरे जनपद के फायर ब्रिगेड, एनटीपीसी के केंद्रीय सुरक्षा बल की फायर ब्रिगेड के छः घंटे प्रयास के बाद भी रविवार की दोपहर तक आग बुझ नहीं सकी है। इस भयंकर आग की वजह से पूरे नगर में अफरातफरी का माहौल रहा। फायर ब्रिगेड सायरन की आवाज से पूरा नगर गूंजता रहा। इस भयंकर आग से सुभाष चंद्र अग्रहरी बगल के मकान कि छतें व दीवारें फट गई। फायरकर्मी बगल के मकानों से स्टेशनरी के भवन में लगी आग को बुझा रहे हैं, लेकिन रह रह कर आग भड़क जा रही है। आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। लेकिन बिजली की शार्ट सर्किट से ही आग लगने की पूरी संभावना है। आग लगने से तीन मंजिला इमारत में भरी स्टेशनरी कापी, किताब बस्ते व अन्य सामान पूरी तरह से जलकर रात हो गए हैं। इमारत पूरी तरह से नष्ट हो गई है ,दीवारें व छत फट गई है। टांडा की अब तक की यह सबसे बड़ी आग मानी जा रही है। प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी भी मौके पर मौजूद है। नागरिकों का आना—जाना लगा है। आग में करोड़ों रुपए का नुकसान माना जा रहा है। हालांकि आग से नुकसान का अभी सही आंकलन नहीं किया गया है। नुकसान सिर्फ सरदार सुरेंद्र सिंह के स्टेशनरी के भवन में रखे सामानों व भवन का ही नहीं है बल्कि सुभाष चंद्र अग्रहरी के नए भवन को भी काफी नुकसान पहुंचा है।

पोखर में डूबकर युवक की मौत

संवाददाता—संतकबीरनगर। जिले के बेलहर थाना क्षेत्र के हंसवापार गांव के पास स्थित पोखरे में डूबने से एक युवक की मौत हो गई। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस हादसे के बाद परिजनों का रो—रोकर बुरा हाल है। हंसवापार निवासी प्रकाश (25 वर्ष) पुत्र राधेश्याम रविवार को दोपहर के समय शौच के लिए पोखरे की ओर गया था। इसी दौरान पैर फिसलने से वह गहरे पानी में चला गया और डूब गया। कुछ लोगों ने देखा तो शोर मचाकर सहायता की गुहार भी लगाई, लेकिन जब तक लोग पहुंचे, तब तक उसकी डूबने से मौत हो चुकी थी।

घटना के बाद गांव में शोक की लहर फैल गई है। प्रकाश की मां कमलावती और भाई सोनू का रो—रोकर बुरा हाल है। उसकी अभी शादी नहीं हुई थी। थाना प्रभारी बेलहर ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मामले की जांच की जा रही है।

आकाशीय बिजली से दो किसानों की मौत

संवाददाता—गोरखपुर। बड़हलगंज क्षेत्र में रविवार को आकाशीय बिजली गिरने से दो किसानों की मौत हो गई। दोनों किसान अलग—अलग गांवों में धान की रोपाई कर रहे थे। पहली घटना बड़हलगंज कस्बे के ओझौली ग्राम सभा में हुई। विशुनपुर टोले में 65 वर्षीय जोखन यादव सुबह 11 बजे अपने खेत में धान की फसल में पानी लगा रहे थे। बारिश शुरू होने पर वे पास के बगीचे में जाकर बैठ गए। इसी दौरान उन पर आकाशीय बिजली गिरी। परिजन उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़हलगंज ले गए। चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जोखन के दो पुत्र रोजी—रोटी के लिए बाहर काम करते हैं। दूसरी घटना नवलपुर गांव में दोपहर 12:30 बजे हुई। 65 वर्षीय रेंगई मौर्या बैरिया खास के राजी बैरिया टोले के पास खेत में धान की रोपाई कर रहे थे। तेज बारिश के साथ अचानक आकाशीय बिजली उनके सिर पर गिरी। आसपास के लोगों के पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो गई। परिजन उन्हें निजी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। रेंगई तीन पुत्र और तीन पुत्रियों के पिता थे। घटना की सूचना पर बड़हलगंज पुलिस मौके पर पहुंच गई।

लड़कियों को बेचने वाले गिरोह के एक बदमाश को पैर में गोली मारकर दबोचा

संवाददाता—गोरखपुर। लड़कियों की खरीद फरोख्त करने वाले गिरोह में शामिल महराजगंज के मोहर्रम खां उर्फ राहुल को शनिवार की रात तिकोनिया जंगल में मुठभेड़ के दौरान पर गिरफ्तार किया। घायलावस्था में उसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। फायरिंग के दौरान पैर में गोली मारकर पुलिस ने गिरफ्तार किया। एसपी नार्थ जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि शनिवार की रात हिरासत में लेकर पूछताछ के दौरान उसने बताया कि वह नाबालिग को तीन दिन तक निचलौल में एक कमरें में बंद रखा था। पुलिस उसे लेकर घटना स्थल पर जा रही थी। जंगल धूषण के पास वह एसआई शिखा जायसवाल का रिवाल्वर छिन कर अंधेरे का लाभ लेते हुए गाड़ी से कूदकर तिकोनिया जंगल की तरफ फायरिंग कर भागा। रात के अंधेरे में पुलिस ने भी जबाबी फायरिंग की। थोड़ी देर बाद खोजबीन के दौरान वह जमीन पर लेटा हुआ मिला। पुलिस ने उसे घायलावस्था में मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया जहां उसका ईलाज चल रह है। घुटने के नीचे पैर में गोली लगी है।

2027 चुनाव में जनता भाजपा की राम-राम सत्य कर देगी -अवधेश प्रसाद

संवाददाता—अयोध्या। समाजवादी पार्टी ने पीडीए महासम्मेलन की तैयारी शुरू कर दी है। 26 जुलाई को सहादतगंज स्थित फॉरएवर लॉन में पीडीए का महासम्मेलन आयोजित किया जाएगा। रविवार को यहां प्रेस वार्ता में जानकारी देते हुए सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने बताया कि 26 जुलाई को संविधान स्तंभ स्थापना दिवस है। इस दिन आरक्षण बचाओ और पीडीए का महासम्मेलन होगा। अवधेश प्रसाद ने कहा कि यह सम्मेलन ऐतिहासिक होगा। भारतीय जनता पार्टी की सरकार के खात्मे के लिए यह सम्मेलन मील का पत्थर साबित होगा। जब से भाजपा की सरकार आई है, पूरे प्रदेश में लोगों में तबाही और बर्बादी आई है। किसान और नौजवान परेशान हैं। आरक्षण पूरी तरह से खत्म किया जा रहा है। सरकारी संस्थाओं को निजी हाथों में बेचा जा रहा है। बिजली विभाग की संपदा 80 हजार करोड़ की है। इसको 10 हजार करोड़ में बेचने की तैयारी की जा रही है। जबकि इस समय बिजली का संकट चल रहा है। ऊर्जा मंत्री के वायरल हो रहे वीडियो का जिक्र करते हुए कहा कि जब बिजली संकट पर उनसे सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा जय श्री राम। अवधेश प्रसाद ने कहा कि भाजपा सरकार एक सपना हो जाएगी एक कहानी बनकर रह जाएगी कि उत्तर प्रदेश में कभी बीजेपी की सरकार थी। जनता भी इस बार भाजपा की राम—राम सत्य करेगी। 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव में जनता भाजपा का राम—राम सत्य कर देगी।

मंदिर के सामने लगा वाटर कूलर

संवाददाता—गोरखपुर। साहबगंज क्षेत्र में व्यापारियों और खरीदारों की गर्मी में ठंडा पानी के लिए चौंबर ऑफ कॉमर्स की पहल पर अयोध्यानाथ रमेश रानी सेवा समिति की तरफ से वाटर कूलर की स्थापना की गई। चौरहिया गोला स्थित शीतला माता मंदिर के पास लगे वाटर कूलर का शुभारंभ एसपी ट्रैफिक और व्यापारी सुरक्षा प्रकोष्ठ के नोडल अधिकारी संजय कुमार ने किया।

डॉ. वरुणेश बोले—सारी संपति गुरु गोरखनाथ ट्रस्ट को दे दूंगा, ससुरालवालों पर लगाया जानलेवा हमले का आरोप

संवाददाता—संतकबीरनगर। खलीलाबाद सीएचसी में तैनात डॉक्टर वरुणेश दुबे का एक और वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में उन्होंने तीन दिन पहले उनके साथ हुई मारपीट का जिक्र किया है। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि उन पर हमले की साजिश उनकी पत्नी, ससुर और साले ने मिलकर रची। उन्होंने बताया कि मैं किसी तरह बच गया, वरना आज मेरी पुण्यतिथि मनाई जा रही होती। डॉ. दुबे ने बताया कि उन पर कभी भी संपत्ति को लेकर हमला हो सकता है। इसलिए उन्होंने अपनी सारी संपत्ति गोरखनाथ मंदिर ट्रस्ट को दान करने का डॉक्टर वरुणेश दुबे खलीलाबाद सीएचसी में तैनात हैं। उनकी पत्नी गोरखपुर में रहती हैं। पत्नी ने कहाकि मुझे इंटरनेट पर कुछ अश्लील वीडियो मिले, जिनमें मेरे पति एक पुरुष के साथ महिला वेशभूषा में आपत्तिजनक हरकतें करते दिखाई दे रहे हैं। यह वीडियो उन्होंने एक पेड वेबसाइट पर अपलोड किए, जिन्हें देखने के लिए पहले भुगतान करना होता है। मेरे पति ने 'मीना राय' नाम से एक फर्जी फेसबुक आईडी बनाई, जिसमें खुद को ट्रांसजेंडर बताकर तमाम वीडियो अपलोड किए गए। मैं यह दावे के साथ कह सकती हूं कि ये वीडियो हमारे ही क्वार्टर के अंदर बनाए गए, क्योंकि वीडियो में दिख रहा वॉलपेपर, बेड, सजावट आदि मैंने खुद ऑनलाइन ऑर्डर करके लगवाए थे। एक पत्नी अपने पति को शरीर, आवाज और आदतों से पहचान सकती है। वह इनकार कर सकते हैं, लेकिन सच्चाई छिपाई नहीं जा सकती। डॉक्टर की पत्नी ने एफआईआर दर्ज करवाई थी।

डॉक्टर वरुणेश दुबे ने बताया कि 8 जुलाई को, जो शायद मेरे जीवन का अंतिम दिन हो सकता था, उस दिन मेरे ससुराल पक्ष ने मेरी गाड़ी की रेकी करवाई। मेरा पीछा करवाया गया। सुनसान रास्ते पर मेरी गाड़ी को पीछे से दो बार टक्कर मारी गई। किसी तरह गाड़ी संभाल ली, वरना कई लोगों की जान जा सकती थी। तीसरी बार साइड से टक्कर मारी गई, जिसकी वीडियो फुटेज मेरे पास मौजूद है। गाड़ी बेकाबू होकर एक पेड़ से टकरा गई। इसके बाद हमलावरों ने रॉड, डंडे, हॉकी स्टिक और धारदार हथियारों से गाड़ी के शीशे तोड़कर मुझ पर हमला कर दिया। मेरे सिर पर धारदार हथियार से दो वार किए गए, जिससे सिर बुरी तरह फट गया। हाथ पर बेसबॉल बैट से वार किया गया। मैं बेहोश हो गया। यदि गांव वालों ने बीच में न आकर मुझे न बचाया होता, तो आज मैं जिंदा न होता। हमले के बाद मैं थाने गया और फिर अस्पताल में भर्ती हुआ। इसके बावजूद मेरा मुकदमा नहीं लिखा जा रहा था। जब लिखा गया, तो बहुत हल्की धाराओं में लिखा गया। पुलिस ने मेरी शिकायत को बदल दिया और कहा कि अगर तुमने सख्त धाराएं डालने की कोशिश की, तो तुम्हारी पत्नी और ससुराल वाले तुम पर इतने मुकदमे कर देंगे कि तुम्हारी नौकरी चली जाएगी।

मेरी मेडिकल रिपोर्ट और शरीर की हालत खुद गवाही दे रही है कि मुझ पर जानलेवा हमला हुआ, लेकिन मुकदमे में धारा 307 जैसी गंभीर धाराएं नहीं लगाईं गईं। जिन लोगों ने मुझ पर हमला किया।विनोद पांडेय, पारसनाथ पांडेय, ऋषभ पांडेय, राहुल पांडेय को उसी रात थाने से छोड़ दिया गया। जिस गाड़ी से टक्कर मारी गई, वह भी पुलिस ने छोड़ दी। मुझे लगता है कि पुरुष होना ही आज मेरे लिए सबसे बड़ा अपराध बन गया है। एक महिला कुछ भी आरोप लगा दे, तो उसे आंख बंद कर मान लिया जाता है, लेकिन एक पुरुष की पीड़ा कोई नहीं सुनता। क्या मेरी बात मरने के बाद ही सुनी जाएगी? क्या इस देश में एक पुरुष को जीते जी न्याय नहीं मिल सकता। मैं यह स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि यदि किसी भी हाल में मेरी मृत्यु होती है, तो उसके लिए मेरे ससुर विनोद पांडेय, साला ऋषभ पांडेय और राहुल पांडेय, मेरी सास शोभा पांडेय तथा मेरी पत्नी सिंपी पांडेय जिम्मेदार होंगे।

डॉ. दुबे ने बतायाकि मैं यह निर्णय ले चुका हूं कि अपनी पूरी संपत्ति, जिस पर मेरा अधिकार है, श्री गुरु गोरखनाथ ट्रस्ट को दान कर दूंगा। इस संबंध में प्रक्रिया कल से शुरू करूंगा और वसीयत बनवाऊंगा। मेरी आखिरी इच्छा है कि मेरे ससुराल पक्ष को मेरी कोई भी संपत्ति न मिले और मेरी मृत्यु के बाद उन्हें सख्त से सख्त सजा मिले।

डॉक्टर वरुणेश दुबे के ट्रांसजेंडर वाले अश्लील वीडियो चर्चा में हैं। डॉक्टर की पत्नी ने पुलिस में एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस ने वीडियो के सैंपल फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिया है।

साइड न मिलने पर मनबढ़ों ने कार चालक पर किया पथराव

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। बांसी—धानी मार्ग गोनहा ताल चौराहा पर शनिवार देर शाम सड़क पर साइड न मिलने से बांसी की तरफ से कार से घर जा रहे युवक पर बाइक सवार मनबढ़ों ने पत्थर बाजी कर दी। इसमें कार का शीशा खुला होने से चालक चोटहिल हो गया। कार चालक ने एक आरोपित को पड़कर पुलिस को सौंप दिया और रविवार को थाने में दोनों पक्षों ने सुलह कर लिया। बांसी कोतवाली क्षेत्र के सिसहनिया गांव निवासी दिवाकर उपाध्याय शनिवार देर शाम कार से अपने बड़े भाई चंद्र प्रकाश उपाध्याय एवं गांव के राम गोविंद उपाध्याय के साथ बांसी से घर जा रहे थे। अभी वह बांसी—धानी मार्ग तिवारीपुर पहुंचे ही थे कि पीछे से बाइक लेकर आ रहे खेसरहा थाना क्षेत्र के सेमरा मुस्तहकम गांव के दो युवकों ने तेज आवाज लगाना शुरू कर दिया। थोड़ी देर बाद साइड मिलने पर दोनों गुस्से में आ गए और कार को ओवरटेक कर सड़क पर बाइक रोक दी। इसके बाद बाइक सवार दोनों ने दिवाकर से अभद्रता की। दिवाकर के विरोध करने पर मारने की धमकी भी देने लगे और फिर कार के आगे आगे बाइक लेकर चल पड़े। गोनहा ताल चौराहा पर बेकरी की दुकान के सामने जैसे ही दिवाकर कार रोककर ब्रेड लेने उतरने लगे बाइक सवार दोनों लोगों ने दिवाकर पर पत्थर फेंकना शुरू कर दिया। जब तक दिवाकर उतरते तब तक वह दोनों बाइक लेकर आगे बढ़ गए। दिवाकर ने तुरंत कार से पीछा करते हुए कुछ दूर जा कर बाइक चालक को पकड़ लिया, वहीं दूसरा भाग निकला। उसके बाद दिवाकर ने कोतवाली पर फोन करके पुलिस को सूचना दी। मौके पर एसआई बांसी राम आज्ञा अपने हमराहियों के साथ सिसहनिया गांव पहुंचकर एक युवक को थाने ले आए और सुबह दोनों पक्ष को थाने पर आने को कहा। रविवार को दोनों पक्ष थाने पहुंचे और सुलह कर लिया। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली संतोष कुमार तिवारी ने बताया कि आरोपियों के माफी मांगने दोनों पक्षों ने सुलह कर लिया है।

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से पांच लोग घायल

संवाददाता—संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के धनघटा थाना क्षेत्र के दुघरा उर्फ खैरा गांव में रविवार को दोपहर आकाशीय बिजली की चपेट में आने से पांच लोग बुरी तरह से घायल हो गए। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे परिजनों ने तत्काल घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हैंसर बाजार पहुंचाया। वहां पर उनका इलाज चल रहा है। दुघरा उर्फ खैरा गांव निवासी 65 वर्षीय कलमनाथ पुत्र रत्तन, 50 वर्षीय किस्मती देवी पत्नी फूलवास, 15 वर्षीय सत्यम पुत्र संजय, 14 वर्षीय विशाल पुत्र राजेश एवं बकैनियां पकड़ी गांव निवासी 40 वर्षीय राजमन पुत्र कुमारे भैंस चराने के लिए ताल में गए हुए थे।

एकाएक तेज गरज चमक के साथ बरसात शुरू हुई। इसी बीच आकाशीय बिजली गिरी। इसकी चपेट में आने से उक्त पांचों लोग झुलस गए। इसकी सूचना गांव में पहुंची तो गांव के तमाम लोग मौके पर पहुंच गए। सभी को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हैंसर बाजार पहुंचाया। वहां सभी का इलाज चल रहा है। खतरे के बाहर बताया जा रहा है।

सड़क हादसे मे कानूनगो—टीचर, वीडीओ समेत 4 दोस्तों की मौत

संवाददाता—सिद्धार्थनगर। कुशीनगर में कानूनगो, टीचर, वीडीओ समेत 4 दोस्तों की सड़क हादसे में मौत हो गई। कार में आगे बैठे दो लोगों की एयरबैग खुलने से जान बच गई। सभी सिद्धार्थनगर से अर्टिगा कार से कांवड़ लेकर झारखंड के देवघर गए थे। जल चढ़ाकर लौटते समय पटहेरवा थाना क्षेत्र में हाईवे पर कार बेकाबू हो गई। दूसरे लेन से जा रही ट्रैक्टर—ट्रॉली में पीछे से घुस गई। कार की स्पीड इतनी तेज थी कि टक्कर के बाद श्रद्धालु कार में ही फंस गए। तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आसपास के लोगों की मदद से सभी को बाहर निकाला। कुछ देर बाद एक और घायल ने दम तोड़ दिया। दो घायलों को सीएचसी तमकुहीराज में भर्ती कराया गया है। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार की पूरी छत उड़ गई। हादसे की सूचना मिलते ही तमकुहीराज एसडीएम आकांक्षा मिश्रा को मौके पर पहुंचीं। उन्होंने बताया कि मृतकों के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। मृतकों की पहचान सिद्धार्थनगर के शोहरतगढ़ निवासी कैलाशमणि (सरकारी टीचर), सुजीत जायसवाल (ग्राम विकास अधिकारी), रामकरण गुप्ता (कानूनगो) और बांसी थाना निवासी मनोज कुमार सिंह (प्रधान) के रूप में हुई है। रामकरण गुप्ता शोहरतगढ़ में ही कानूनगो थे। मधुकरपुर मोहल्ला निवासी कार चालक राजेश शर्मा और उनका भतीजा प्रशांत कुमार घायल हैं। कैलाश मणि, सुजीत जायसवाल और रामकरण गुप्ता तीनों बचपन के दोस्त थे। तीनों ने स्कूली पढ़ाई साथ की। सरकारी सेवा में भी एक साथ ही शामिल हुए। तीनों हर साल सावन में बाबा बैजनाथ धाम जाते थे। इस बार पहली बार उनके साथ मनोज सिंह भी गए थे। रामकरण ने इस बार बाबा बैजनाथ से अपने प्रमोशन की मन्नत भी मांगी थी। मरने वाले तीनों दोस्त काफी आर्थिक और पारिवारिक तौर पर काफी संपन्न भी थे। कैलाश मणि तिवारी की पत्नी रेनू त्रिपाठी हाउसवाइफ हैं। जबकि बेटा हर्षवर्धन तिवारी दिल्ली में आईआईटी फर्स्ट ईयर का छात्र है। परिवार में मां शकुंतला त्रिपाठी भी हैं। वहीं, सुजीत जायसवाल जिला कर्मचारी संघ अध्यक्ष भी थे। उनकी पत्नी हाउसवाइफ है। बेटी पटना में आईआईटी थर्ड ईयर की छात्रा है, जबकि बेटा इंटर पास कर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी में जुटा है। रामकरण गुप्ता वर्तमान में गोरखपुर में तैनात थे। उनका बेटा रवि गुप्ता एमबीबीएस का छात्र है। इसके अलावा एक बेटा ऋषि गुप्ता (10) और बेटी खुशी (18) भी हैं। दोनों बच्चे पढ़ रहे हैं।

घायल प्रशांत शर्मा ने बताया कि हम लोग देवघर (झारखंड) जलाभिषेक के लिए गए थे। वहां से शनिवार को बिहार के गोपालगंज स्थित थावे पहुंचे और रात में वहीं रुके। रविवार सुबह माता दुर्गा के दर्शन के बाद हम लोग घर लौट रहे थे, तभी हादसा हो गया। हादसे के वक्त मैं सो रहा था, इसलिए यह कैसे हुआ, हमें पता नहीं चला। हादसे से 14 घंटे पहले कैलाशमणि ने फेसबुक पर तस्वीरें शेयर की थीं। लिखा— झारखंड के बासुकी नाथ बाबाजी को जलार्पण—पूजन अति आनंदित करने वाला पल रहा। सभी शुभ चिंतकों का बाबा बासुकीनाथ कल्याण करें। सीएम योगी ने कुशीनगर में हुए सड़क हादसे का संज्ञान लिया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। साथ ही जिला प्रशासन के अफसरों को घायलों का समुचित इलाज कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, घायलों के जल्द स्वस्थ होने की भी कामना की है।

कांवड़ यात्रा को लेकर प्रशासन सतर्क

संवाददाता—अम्बेडकरनगर। कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने तैयारी कर ली है। महामाया राजकीय मेडिकल कॉलेज सद्दरपुर में जिला अधिकारी अनुपम शुक्ला और पुलिस अधीक्षक केशव कुमार ने कांवड़ समितियों और डीजे संचालकों के साथ बैठक की। जिला अधिकारी ने कांवड़ियों को निर्धारित मार्गों का उपयोग करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सड़कों पर कांवड़ न रखी जाए। रात्रि विश्राम के लिए शिविरों या रैन बसेरों का उपयोग करें। डीजे संचालकों को सुप्रीम कोर्ट और शासन द्वारा तय ध्वनि सीमा का पालन करना होगा। आपत्तिजनक या भड़काऊ गीत बजाने पर कार्रवाई की जाएगी।

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1—4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक—**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक—**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या—फैजाबाद कार्यालय— चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या—फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय— आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय— इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com